



मा सिद्धिदात्री नवरात्रि का नौवां स्वरूप है। उन्हें सिद्धियां प्रदान करने वाली देवी माना जाता है। वे कमल पर विराजमान रहती हैं और भक्तों को ज्ञान, विवेक तथा आध्यात्मिक उन्नति का आशीर्वाद देती हैं। महानवमी पर उनकी पूजा के साथ नवरात्रि के अनुष्ठानों का समापन होता है। भक्त सुख और मंगल की कामना करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

यूपी में फॉर्म-7 पर गलत जानकारी दी तो होगी जेल

● चुनाव आयोग ने जारी किए सख्त निर्देश

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची से नाम हटवाने के लिए गलत जानकारी देना भारी पड़ सकता है। मुख्य निर्वाचन



अधिकारी नवदीप रिणवा ने जिला निर्वाचन अधिकारियों और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि फॉर्म-7 के तहत मिलने वाली आपतियों की जांच निर्वाचन आयोग के नियमों के मुताबिक की जाए। जांच में आपत्ति गलत या मनगढ़ंत पाए जाने पर संबंधित आवेदक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

काशी नरेश का हाथी बेकाबू महावत को उठाकर पटका ● रामलीला से पहले खंभे उखाड़े दीवारें और दुकानें तोड़ीं

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी की मशहूर रामलीला में आया हाथी अचानक बेकाबू हो गया। इधर-उधर भागने लगा। आसपास रखी चीजों को सूंड से उठाकर फेंकने लगा।



बिजली के खंभे तोड़ दिए। दीवारें और दुकानें भी तोड़ दीं। यह देखकर आसपास मौजूद लोग जान बचाकर भागे। महावत ने काबू में करने की कोशिश की तो हाथी ने उसे सूंड से उठाकर पटका दिया। पैरों से भी कुचलने की कोशिश की। उसे 50 टाके लगे हैं। घटना पंचवटी मैदान में रविवार सुबह 10.30 बजे की है।

अक्षय कुमार ने सीएम धामी से की मुलाकात



देहरादून। प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से उनके शासकीय आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उत्तराखंड की नई फिल्म नीति, प्रदेश में फिल्म निर्माण की संभावनाओं और राज्य को देश के प्रमुख फिल्म डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अनुकूल फिल्म नीति को राज्य की प्रमुख विशेषताएं बताते हुए फिल्म उद्योग को बढ़ावा देने की दिशा में सरकार के प्रयासों को रेखांकित किया।

फिल्म निर्माताओं की पसंद बन रहा उत्तराखंड
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुलाकात की जानकारी साझा

ग्वालियर में ट्रक ने 41 को कुचला, 15 की मौत

ग्वालियर (एजेंसी)। ग्वालियर में शनिवार देर रात तेज रफ्तार ट्रक ने 41 श्रद्धालुओं को कुचल दिया। हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई। दो पुलिसकर्मी समेत 26 लोग घायल हैं। चीनौर रोड पर ढलान के पास अनियंत्रित हुए धान से भरे ट्रक ने सड़क किनारे मौजूद श्रद्धालुओं और दुकानों को कुचल दिया। इसके बाद ट्रक मंदिर के प्रवेश द्वार और बाहरी दीवार

● शीतलामाता मंदिर में दर्शन के लिए खड़े थे लोग

से जा टकराया। हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 26 लोग घायल हुए हैं। मृतकों में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हैं। घायलों में दो पुलिसकर्मी भी हैं। कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। पुलिस और प्रशासन की टीमों राहत-बचाव कार्य में जुट गईं। घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

यह हादसा शनिवार और रविवार की दरमियानी रात करीब 1.30 बजे चीनौर रोड पर ढलान के पास हुआ। बताया जा रहा है कि नवरात्रि के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु शीतला माता मंदिर में दर्शन के लिए पहुंच रहे थे। इसी दौरान धान से भरा एक ट्रक वहां पहुंचा और चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। तेज रफ्तार ट्रक सड़क किनारे मौजूद श्रद्धालुओं और दुकानों को कुचलता हुआ मंदिर के प्रवेश द्वार तक पहुंच गया।



मृतकों के परिजनों को 4 लाख, घायलों को भी आर्थिक मदद

हादसे के बाद मुख्यमंत्री ने प्रभावित परिवारों को राहत देने के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा भी की है। राज्य सरकार की ओर से मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों को 2-2 लाख रुपये और अन्य घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए हैं कि हादसे में घायल सभी लोगों का निःशुल्क उपचार कराया जाए, ताकि उन्हें समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सके। दुर्घटना से प्रभावित परिवार ग्वालियर, शिवपुरी और रथोपुर के बताए गए हैं। घटना की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री ने मंत्री ऐंदल सिंह कंधाना और मंत्री राकेश शुक्ला को ग्वालियर पहुंचने के निर्देश दिए।



अब महाराष्ट्र के बीड में भीषण सड़क हादसा

तेज रफ्तार बस और कार की टक्कर में पांच लोगों की मौत, सीएम ने दिए जांच के निर्देश

पुणे/बीड (एजेंसी)। कोलकाता दुर्गा पूजा पंडाल में भगदड़ और ग्वालियर में बेकाबू ट्रक द्वारा लोगों को कुचलने की घटना के बाद महाराष्ट्र के बीड में भयावह एक्सीडेंट सामने आया है। यहां पर तेज रफ्तार रोडवेज बस और कार की टक्कर में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार परिवार को लोग कार

से तुलजापुर जा रहे थे। इस हादसे में पांच श्रद्धालुओं की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बीड जिले के माजलगांव इलाके में शिंदेवाड़ी फाटा के पास एक राज्य परिवहन बस और कार की आमने-सामने की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।

सीजेपी प्रोटेस्ट में हिंदू विरोधी नारे, दिल्ली से गोवा तक ऐक्शन



300 से ज्यादा के खिलाफ एफआईआर, कार में लाटियां ले जा रहे 2 गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांफ्रेंस जनता पार्टी के विरोध-प्रदर्शन के बीच दिल्ली से गोवा तक ऐक्शन शुरू हो गया है। दिल्ली में ताबड़तोड़ गिरफ्तारियों के साथ एफआईआर हुई हैं तो वहीं, गोवा में भी 300 से ज्यादा अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इस बीच सीजेपी प्रदर्शनकारियों पर हिंदुओं के खिलाफ नारेबाजी के आरोप लगे हैं। घटना गोवा में हुई है, जिसके बाद राज्य के मुख्यमंत्री खुद ऐक्शन मोड में आ गए हैं। इधर, गोवा पुलिस ने 11 अक्टूबर को पणजी में कांफ्रेंस जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए 300 अज्ञात प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि उन्होंने ऐसे नारे लगाए, जिनसे हिंदुओं की भावनाएं आहत हुईं। पुलिस इंसपेक्टर विजयकुमार चोडनकर ने बताया कि सीजेपी ने विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंदुत्व मुर्दाबाद जैसे नारे लगाए।

डराने की कोशिश, लेकिन हम पीछे नहीं हटेंगे: दीपके

सीईसी के इस्तीफे की मांग पर डटे सीजेपी प्रमुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांफ्रेंस जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने आज सौरव दास और आशुतोष रांका की रिहाई को लेकर उम्मीद जताई है। उन्होंने कहा कि दोनों के आने के बाद सभी लोग एक साथ बैठेंगे, आगे की रणनीति बनाएंगे और तय करेंगे कि इस लड़ाई को किस दिशा में ले जाना है। दीपके ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफा की मांग को लेकर हुए प्रदर्शन के दौरान हुई गिरफ्तारियों को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि उन्हें डराने की कोशिश की जा रही है, लेकिन वे पीछे हटने वाले नहीं हैं। कांफ्रेंस जनता पार्टी के नेता



आशुतोष रांका और सौरव दास की रिहाई पर फैसला आज आना है। दोनों को 14 अक्टूबर को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार था और 5 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। उनकी रिहाई के लिए अर्जी और जमानतदारों के दस्तावेज जमा करा दिए गए हैं, और पुलिस द्वारा इनका सत्यापन किया जा रहा है।

यशपाल बेनाम ने भाजपा से दिया इस्तीफा

जल्द लेंगे अगला राजनीतिक फैसला

जयन्त प्रतिनिधि, पौड़ी। पूर्व विधायक एवं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष यशपाल बेनाम ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने अपने इस्तीफे की घोषणा की। बेनाम करीब आठ साल तक भाजपा में रहे। उन्होंने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र देने की बात कही। प्रेस वार्ता के दौरान यशपाल बेनाम ने स्पष्ट किया कि वह जल्द ही अपने अगले राजनीतिक कदम को लेकर निर्णय लेंगे। हालांकि, उन्होंने फिलहाल अपनी भावी राजनीतिक रणनीति का खुलासा नहीं किया है। ऐसे में उनके अगले कदम को लेकर राजनीतिक चर्चाएं शुरू हो गई हैं। पौड़ी की राजनीति में यशपाल बेनाम एक चर्चित चेहरा रहे हैं। वर्ष 2007 में वह निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में पौड़ी



विधानसभा सीट से विधायक निर्वाचित हुए थे। इसके बाद नगर पालिका अध्यक्ष के रूप में भी उन्होंने अपनी राजनीतिक पहचान बनाई। भाजपा में करीब आठ साल बिताने के बाद अब पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने के उनके फैसले को जिले की राजनीति के लिहाज से अहम घटनाक्रम माना जा रहा है। बेनाम के इस्तीफे के बाद अब सभी की नजरें उनके अगले राजनीतिक फैसले पर टिकी हैं। वह भविष्य में किस राजनीतिक राह पर आगे बढ़ेंगे और उनकी आगामी रणनीति क्या होगी, इसका खुलासा उनके अगले निर्णय के बाद ही हो सकेगा।

वायुसेना का नया संचार कवच 'जीसैट-7सी'

2563 करोड़ रुपए का सैटेलाइट, पूरी तरह है स्वदेशी



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना की संचार क्षमता मजबूत करने के लिए देश में जीसैट-7सी सैन्य उपग्रह लॉन्च किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड के साथ 2,563 करोड़ रुपए का करार किया। इसके तहत उपग्रह का डिजाइन, विकास और निर्माण किया जाएगा। इस उपग्रह की सबसे बड़ी खासियत दूर तक सुरक्षित संचार उपलब्ध कराने की क्षमता होगी। इससे लड़ाकू विमानों, निगरानी विमानों, मानवरहित विमानों और जमीन पर मौजूद सैन्य केंद्रों के बीच संपर्क स्थापित करने में मदद मिलेगी। सामान्य रेडियो संचार की पहुंच से बाहर होने पर भी उपग्रह के जरिए

अंतरिक्ष में संचार केंद्र का काम करेगा सैटेलाइट
जीसैट-7सी अंतरिक्ष में संचार केंद्र की तरह काम करेगा। यह विमानों और जमीन पर मौजूद सैन्य इकाइयों के बीच संपर्क बनाने में मदद करेगा। जब विमान सामान्य रेडियो की सीधी पहुंच से दूर होंगे, तब उपग्रह के जरिए संदेश एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाए जा सकेंगे।

सूचनाओं का आदान-प्रदान संभव हो सकेगा। भारतीय वायुसेना का यह दूसरा समर्पित संचार उपग्रह होगा।

मुझ पर केस किया तो मामला लीगल हो जाएगा

● राहुल बोले-हर राज्य में वोट चोरी की बात कहता हूं ● सीईसी ज्ञानेश कुमार जानते हैं कीमत चुकानी होगी

पणजी (एजेंसी)। राहुल गांधी ने रविवार को गोवा में कहा कि मैं हर स्टेट से कहता हूं पीएम वोट चोरी करते हैं। लेकिन मुझ पर कोई केस दर्ज नहीं होता। क्योंकि, ये जानते हैं कि अगर केस हुआ तो मामला लीगल हो जाएगा और ये फंस जाएंगे। दिल्ली में ज्ञानेश कुमार रात को सो नहीं पाते। पीएम और गृहमंत्री को भी नींद नहीं



आती। क्योंकि, वे जानते हैं कि जनता आज नहीं तो कल उनसे न्याय लेगी। राहुल कांग्रेस के जनसंपर्क अभियान 'गोय राखोन यात्रा' में शामिल होने गोवा पहुंचे थे। यहां कांग्रेस की 28 दिन लंबी यात्रा का समापन हुआ है। राहुल का पिछले 4 सालों में यह पहला गोवा दौरा है। इससे पहले 2022 में वह यहां आए थे। गोवा में अगले साल 2027 में चुनाव हैं।

गोवा में सरकार आपकी जमीन छीन रही

राहुल ने कहा- गोवा देश में सबसे सुंदर जगह है, सबसे अच्छा कल्चर है। लेकिन यहां भी सरकार आपकी जमीन छीनकर गोवा के जो बाहर के लोग हैं उनको करोड़ों में बेचती है। पहले मास्टर प्लान था, मास्टर प्लान को रद्द कर दिया। इनका यही काम है कि पैसा कैसे बनाए। राहुल ने कहा- मैं हर स्टेट से कहता हूं पीएम नरेंद्र मोदी वोट चोरी करते हैं। लेकिन मुझ पर कोई मामला दर्ज नहीं होता। क्योंकि, ये जानते हैं कि अगर केस हुआ तो मामला लीगल हो जाएगा और ये फंस जाएंगे।

राहुल बोले-दिल्ली में हम सरकार से जल्द निपट लेंगे

राहुल ने कहा- आप गोवा के बारे में सोचिए। दिल्ली में हम कुछ ही समय में हम पीएम मोदी, अमित शाह से निपट लेंगे। काम जारी है। एक्सपायरी डेट आने वाली है। आपने देखा है कि आजकल नरेंद्र मोदी सामने खड़े नहीं हो सकते हैं। क्योंकि ये जानते हैं कि देश का युवा इनके खिलाफ खड़ा हो गया है। राहुल ने कहा- पूरी दुनिया मानती थी कि इंडिया का एजुकेशन सिस्टम नंबर वन मॉडल का था। लेकिन, आज दिल्ली में स्टूडेंट्स को ही मारा जा रहा है। हर एजुकेशनल सिस्टम में इन्होंने बीजेपी और आरएसएस के लोग बैठे हुए हैं। हार्डटेक करप्शन, जमीन का करप्शन ये यहां करते हैं। जैसे पहले गुजरात में नरेंद्र मोदी का मॉडल था। वैसे ही गोवा में करप्शन का मॉडल है। इसे सिर्फ कांग्रेस ही खत्म कर सकती है। राहुल ने कहा- पहले मास्टर प्लान था, मास्टर प्लान को रद्द कर दिया। इनका यही काम है कि पैसा कैसे बनाए। इनका यही काम है। गोवा की जनता को लूटने का, आपकी जमीन छीनकर अरबपतियों को देने का।

संपादकीय

सत्ता, संवेदनशीलता जनभावनाओं का सवाल

उत्तराखंड की शांत वादियों में जब अंकिता भंडारी हत्याकांड की चर्चा होती है, तो यह केवल एक बेटी के साथ हुए अपराध की याद नहीं रह जाती, बल्कि न्याय, महिला सुरक्षा, राजनीतिक जवाबदेही और व्यवस्था पर जनता के भरोसे से जुड़ा सवाल बन जाती है। अंकिता आज भी उत्तराखंड की सामूहिक चेतना में एक ऐसी पीड़ा का प्रतीक है, जिसका उत्तर समाज और व्यवस्था दोनों तलाश रहे हैं। ऐसे संवेदनशील प्रकरण के बीच दुष्यंत कुमार गौतम को सिक्किम का राज्यपाल नियुक्त किए जाने और उनके नाम को अंकिता मामले के कथित वीआईपी विवाद से जोड़कर उठाए जा रहे सवालों ने एक नई बहस को जन्म दिया है। अंकिता भंडारी हत्याकांड ने उत्तराखंड के समाज को गहरे स्तर पर प्रभावित किया। एक युवा महिला की हत्या ने पहाड़ की बेटियों की सुरक्षा, पर्यटन और आतिथ्य उद्योग में काम करने वाली महिलाओं की परिस्थितियों तथा प्रभावशाली लोगों की सभावित भूमिका जैसे अनेक प्रश्नों को सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनाया। इस मामले में न्याय की मांग समर्थ के साथ व्यापक जनभावना में बदलती रही है। लोगों की अपेक्षा है कि अपराध से जुड़े प्रत्येक पहलू की निष्पक्ष जांच हो और किसी भी व्यक्ति की सामाजिक हैसियत या राजनीतिक प्रभाव के कारण जांच की दिशा प्रभावित न हो। यह भी आवश्यक है कि किसी व्यक्ति का नाम चर्चा में आने, आरोप लगाए जाने और न्यायिक स्त्र से दोष सिद्ध होने के बीच अंतर बनाए रखा जाए। लोकतंत्र में न्याय की मांग जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी निर्दोष व्यक्ति के अधिकारों की रक्षा करना भी है। दुष्यंत कुमार गौतम को राज्यपाल बनाए जाने के बाद यदि उनके नाम को अंकिता प्रकरण के कथित वीआईपी विवाद से जोड़कर प्रश्न उठाए जा रहे हैं, तो इस पूरे विषय को तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर समझना आवश्यक है। संवेदनशील मामलों में सरकारी और सार्वजनिक संस्थाओं से अपेक्षा की जाती है कि वे जनभावनाओं के प्रति सजग रहें। यदि किसी नियुक्ति के कारण पहले से आहत समाज में सवाल उठते हैं, तो उन सवालों का उत्तर तथ्यों, स्पष्टता और संवाद के माध्यम से दिया जाना चाहिए। उत्तराखंड की सामाजिक संरचना में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। पहाड़ की महिलाएं घर, खेती, परिवार और स्थानीय अर्थव्यवस्था की जिम्मेदारियों में बड़ी भूमिका निभाती हैं। ऐसे समाज में किसी बेटी के साथ हुए गंभीर अपराध से जुड़ी न्याय की मांग स्वाभाविक है। अंकिता प्रकरण को लेकर लोगों की भावनाओं का सम्मान करने का अर्थ यह नहीं है कि किसी व्यक्ति को बिना प्रमाण दोषी मान लिया जाए। इसका अर्थ है कि परिवार के सवालों को गंभीरता से सुना जाए, जांच से जुड़े तथ्यों को स्पष्ट किया जाए और जहां कोई वैधानिक संदेह या जांच का शेष पहलू हो, वहां कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए। जनभावनाओं को केवल राजनीतिक विरोध या समर्थन के चरम से देखना इस विषय की गंभीरता को कम कर सकता है। जनता को यह भरोसा मिलना चाहिए कि न्याय की प्रक्रिया किसी राजनीतिक दल, पद या प्रभाव से ऊपर है। किसी संवैधानिक नियुक्ति पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक अधिकारों के दायरे में आता है। लेकिन ऐसे सवालों की सार्थकता इस बात पर निर्भर करती है कि वे तथ्यों, स्थापित प्रक्रियाओं और स्पष्ट मांगों पर आधारित हैं या केवल राजनीतिक धारणाओं पर। किसी व्यक्ति की नियुक्ति और किसी आपराधिक मामले में उसकी कथित भूमिका दो अलग विषय हैं। इनके बीच संबंध स्थापित करने के लिए प्रमाण आवश्यक हैं। जहां जांच संबंधी जानकारी सार्वजनिक की जा सकती है, वहां तथ्यपरक जानकारी दी जानी चाहिए। यदि कोई पहलू जांच के अधीन है, तो उसके बारे में अटकलें लगाने के बजाय कानूनी प्रक्रिया का सम्मान किया जाना चाहिए। वहीं, परिवार की मांगों पर सुनवाई और उचित जवाबदेही भी सुनिश्चित होनी चाहिए। न्यायिक प्रक्रिया की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि जनता के सवालों को अमरदेखा किया जाए। उसी तरह, जनभावनाओं का सम्मान करने का अर्थ यह भी नहीं कि जांच के निष्कर्ष आने से पहले किसी को दोषी घोषित कर दिया जाए। अंकिता भंडारी प्रकरण से जुड़ा विवाद उत्तराखंड को यह सोचने का अवसर देता है कि संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा और जनता की न्याय संबंधी अपेक्षाओं के बीच विधास का सेंतु कैसे बनाया जाए। दुष्यंत कुमार गौतम की नियुक्ति को लेकर उठ रहे सवालों का समाधान राजनीतिक बयानबाजी से अधिक तथ्यों, पारदर्शिता और वैधानिक प्रक्रिया में तलाश जाना चाहिए। अंकिता के परिवार की मांगों को गंभीरता से सुनना आवश्यक है, लेकिन किसी व्यक्ति के विरुद्ध आरोपों पर अंतिम निष्कर्ष प्रमाण और कानून के आधार पर ही निकाला जाना चाहिए। उत्तराखंड की जनता को यह भरोसा चाहिए कि किसी भी बेटी के साथ अन्याय होने पर न्याय की प्रक्रिया निष्पक्ष रहेगी, किसी प्रभावशाली व्यक्ति को अनुचित संरक्षण नहीं मिलेगा और किसी निर्दोष को भी बिना प्रमाण दोषी नहीं ढरखा जाएगा। अंकिता के प्रति सच्ची संवेदनशीलता न्याय की ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करना है जिस पर पीड़ित परिवार और समाज दोनों भरोसा कर सकें। यही उत्तराखंड की जनभावनाओं का सम्मान होगा और यही लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक कसौटी भी।



ललित गर्ग

किसी राष्ट्र की प्रगति का वास्तविक मूल्यांकन केवल उसकी आर्थिक विकास दर, विशाल औद्योगिक परियोजनाओं, आधुनिक तकनीक, विदेशी निवेश और ऊंची प्रति व्यक्ति आय से नहीं किया जा सकता। विकास की सार्थकता तब सिद्ध होती है, जब समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षा मिले, श्रमिक को अपने भविष्य के प्रति विश्वास हो, वृद्धावस्था अभाव का पर्याय न बने और बीमारी किसी परिवार को आर्थिक संकट के गत में न धकेले। सामाजिक सुरक्षा इसी मानवीय विकास का आधार है। यह केवल सरकारी सहायता की व्यवस्था नहीं, बल्कि नागरिकों के सम्मान, आत्मविश्वास, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक न्याय का ऐसा आधारस्तंभ है, जिस पर एक सशक्त एवं समावेशी राष्ट्र निर्माण होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पिछले वर्षों में जनकल्याणकारी योजनाओं के विस्तार के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा को व्यापक बनाने की दिशा में अनेक कदम उठाए हैं। इन पहलों ने करोड़ों लोगों को विभिन्न प्रकार की आर्थिक, स्वास्थ्य, खाद्य और सामाजिक सहायता से जोड़ने में भूमिका निभाई है। हालाँकि, बदलती आर्थिक परिस्थितियों और विशाल श्रमबल की आवश्यकताओं को देखते हुए अभी इस दिशा में बहुत कुछ किया जाना शेष है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सामाजिक सुरक्षा का दायरा वर्ष 2015 के 19 प्रतिशत से बढ़कर 64.3 प्रतिशत यानी 94 करोड़ से अधिक नागरिकों तक पहुंच गया है। यह विस्तार बताता है कि सामाजिक संरक्षण अब देश की विकास संबंधी प्राथमिकताओं का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। लेकिन सामाजिक सुरक्षा की सफलता का आकलन केवल लाभार्थियों की संख्या से नहीं होना चाहिए। वास्तविक प्रश्न यह है कि कितने लोगों को आवश्यकता के समय पर्याप्त सहायता मिलती है, कितने परिवार बीमारी और बेरोजगारी के संकट से उबर पाते हैं तथा कितने श्रमिक बुढ़ापे में सम्मानपूर्वक जीवन जीने की स्थिति में हैं। योजनाओं की व्यापकता के साथ उनकी पर्याप्तता, गुणवत्ता और निरंतरता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में सामाजिक सुरक्षा का महत्व इसलिए भी अधिक है, क्योंकि यहां श्रमबल का बड़ा हिस्सा असंगठित क्षेत्र से जुड़ा है। उपलब्ध श्रम संबंधी अंकड़ों के अनुसार, देश के कुल श्रमबल में लगभग 87 प्रतिशत हिस्सेदारी असंगठित क्षेत्र की है। खेतों में काम करने वाले किसान-मजदूर, निर्माण श्रमिक, घरेलू कामगार, रेकड़ी-पटरी वाले, छोटे द्रुकानदार, दैनिक वेतनभोगी और विभिन्न सेवाओं से

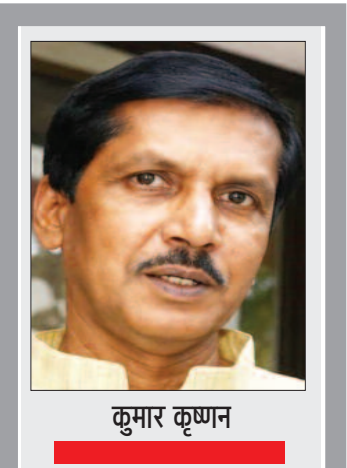


जुड़े कामगार देश की अर्थव्यवस्था को गति देते हैं। लेकिन इनमें से बड़ी संख्या के पास नियमित वेतन, भविष्य निधि, पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और दुर्घटना सुरक्षा जैसी सुविधाएं नहीं हैं। रोजगार मिलने और छिनने के बीच उनका जीवन अक्सर अनिश्चितता से घिरा रहता है। ऐसे में सामाजिक सुरक्षा को केवल संगठित क्षेत्र तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। इसकी पहुंच उन हाथों तक भी सुनिश्चित करनी होगी, जो देश की उत्पादन व्यवस्था और सेवा अर्थव्यवस्था को अपने श्रम से संचालित करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने जनधन खातों, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, आधार आधारित पहचान और डिजिटल सार्वजनिक अवसरंचना के माध्यम से सरकारी सहायता को लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए एक व्यापक व्यवस्था विकसित की है। प्रधानमंत्री जनधन योजना ने बैंकिंग सुविधाओं से वंचित लोगों को औपचारिक वित्तीय व्यवस्था से जोड़ने में योगदान दिया है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण ने अनेक योजनाओं में विचौलियों की भूमिका कम करने और सहायता राशि सीधे लाभार्थियों के खातों तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त किया है। इन व्यवस्थाओं ने सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के क्रियान्वयन को अधिक पारदर्शी बनाने की संभावनाएं मजबूत की हैं। स्वास्थ्य सुरक्षा सामाजिक संरक्षण का सबसे संवेदनशील पक्ष है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना ने पात्र परिवारों को अस्पताल में भर्ती होकर उपचार कराने के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान वय वंदना योजना के माध्यम से स्वास्थ्य कवरेज के दायरे में लाने की पहल ने वृद्धावस्था में चिकित्सा संबंधी चिंताओं को कम करने का प्रयास किया है। फिर भी सार्वजनिक स्वास्थ्य पर व्यय बढ़ाने, प्राथमिक स्वास्थ्य

केंद्रों को सशक्त बनाने, ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और दवाओं तथा जांच की लागत कम करने की आवश्यकता बनी हुई है। गंभीर बीमारी के कारण किसी परिवार की वर्षों की बचत समाप्त हो जाना या उसे कर्ज लेने के लिए विवश होना सामाजिक सुरक्षा की अपूर्णता को उजागर करता है। स्वास्थ्य सुविधाएं सभी प्रभावी सुरक्षा कवच बनेंगी, जब उपचार की उपलब्धता के साथ उसकी वहनीयता भी सुनिश्चित होगी। आर्थिक सुरक्षा के क्षेत्र में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना जैसी पहले अलग-अलग वर्गों की आवश्यकताओं को संबोधित करती हैं। पीएम-किसान के माध्यम से पात्र किसान परिवारों को प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता मिलती है। अटल पेंशन योजना असंगठित क्षेत्र के लोगों को वृद्धावस्था में नियमित आय की व्यवस्था से जोड़ने का प्रयास करती है। जीवन ज्योति बीमा और सुरक्षा बीमा योजनाएं क्रमशः जीवन बीमा तथा दुर्घटना बीमा के माध्यम से परिवारों को संभावित आर्थिक संकट से बचाने में सहायक हैं। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना, जिसे पीएम-पोषण के नाम से जाना जाता है, विद्यालयों में बच्चों को पोष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के माध्यम से पोषण और शिक्षा से जुड़े सामाजिक उद्देश्यों को आगे बढ़ाती है। श्रमिकों की दीर्घकालिक आर्थिक सुरक्षा की दृष्टि से कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) का दायरा बढ़ाने संबंधी कदम भी महत्वपूर्ण हैं। उपलब्ध कराए गए विवरण के अनुसार, 17 सितंबर 2026 से अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा के लिए मासिक वेतन सीमा 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये किए जाने का प्रावधान है। यदि इसका क्रियान्वयन निर्धारित स्वरूप में होता है, तो लगभग 51 लाख अतिरिक्त कर्मचारी अनिवार्य

भविष्य निधि व्यवस्था के दायरे में आ सकते हैं। यह बदलाव उन कर्मचारियों के लिए विशेष महत्व रखता है, जिनका वेतन बढ़ने के कारण वे पुरानी सीमा के बाहर रह जाते थे। भविष्य निधि में नियमित अंशदान से सेवानिवृत्ति के लिए बचत का आधार तैयार होता है, जबकि लाघू प्रावधानों के अनुसार पेंशन और बीमा संबंधी सुविधाएं भी परिवार को आर्थिक सहारा प्रदान कर सकती हैं। हालाँकि, इस विस्तार के साथ कर्मचारियों की वर्तमान हाथ में आने वाली आय, नियोक्ताओं की लागत और छोटे उद्यमों की वित्तीय क्षमता के बीच संतुलन बनाना भी आवश्यक होगा। सामाजिक सुरक्षा के विस्तार में ई-श्रम पोर्टल एक महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभरा है। बदलती अर्थव्यवस्था ने सामाजिक सुरक्षा के सामने नई चुनौतियां भी खड़ी की हैं। गिग और प्लेटफॉर्म अर्थव्यवस्था में काम करने वाले डिलीवरी कर्मियों, कैब चालकों तथा अन्य सेवा प्रदाताओं को रोजगार के अवसर तो मिलते हैं, लेकिन उनकी आय, कार्य-अवधि और भविष्य की सुरक्षा अक्सर अनिश्चित रहती है। इसी प्रकार महिलाओं, प्रवासी श्रमिकों, दिव्यांगों और वृद्ध नागरिकों की जरूरतें एक जैसी नहीं हैं। महिला श्रमिकों के लिए मातृत्व लाभ और सुरक्षित कार्यस्थल, प्रवासी श्रमिकों के लिए राज्य की सीमाओं से परे भी उपलब्ध रहने वाली सुविधाएं तथा निर्माण श्रमिकों के लिए कल्याणकारी योजनाओं तक समाए पहुंच सुनिश्चित करना आवश्यक है। सामाजिक सुरक्षा का ऐसा लचीला मॉडल विकसित होना चाहिए, जिसमें व्यक्ति के नियोक्ता, कार्यस्थल अथवा निवास स्थान बदलने पर भी उसके अधिकार बाधित न हों। इसके साथ ही वृद्धावस्था और विधवा पेंशन की राशि को महंगाई के अनुरूप अधिक पर्याप्त बनाने, सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय बढ़ाने और असंगठित श्रमिकों के लिए योगदान आधारित पेंशन तथा बीमा विकल्पों को सरल एवं सुलभ बनाने पर विशेष ध्यान देना होगा। पंचायतों, नगर निकायों और साझा सेवा केंद्रों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रसार तथा पंजीकरण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। विकसित भारत का स्वप्न सभी साकार होगा, जब आर्थिक विकास के साथ सामाजिक संवेदनशीलता और मानवीय गरिमा भी समान गति से आगे बढ़ें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सामाजिक सुरक्षा का विस्तृत होता दायरा इस दिशा में एक महत्वपूर्ण नीतिगत परिवर्तन को रेखांकित करता है। लेकिन अगला चरण केवल योजनाओं के विस्तार का नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन, पर्याप्त वित्तीय संसाधनों और अंतिम व्यक्ति तक वास्तविक लाभ पहुंचाने का होना चाहिए। सामाजिक सुरक्षा पर होने वाला व्यय सरकारी खजाने पर बोझ नहीं, बल्कि स्वस्थ, उत्पादक और आत्मविश्वासी समाज के निर्माण में निवेश है। जब श्रमिक को भविष्य की चिंता से राहत मिलेगी, किसान को संकट में सहारा मिलेगा, वृद्ध को सम्मानपूर्ण जीवन और गरीब परिवार को बीमारी के समय उपचार का भरोसा मिलेगा, तभी विकास की उपलब्धियां जनजीवन में सार्थक परिवर्तन ला सकेंगी। यही समावेशी विकास की वास्तविक कसौटी और एक सशक्त, संवेदनशील तथा आत्मनिर्भर भारत की आधारभूमि है। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आस्था के उत्सव में मौत



कुमार कृष्णन

उत्सव की सफलता भीड़ की विशालता से नहीं, लोगों की सुरक्षा से तय होती है। मां के दर्शन के लिए निकला कोई श्रद्धालु अपने घर लौटते समय जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी लेकर न लौटे—यही किसी भी सभ्य समाज, संवेदनशील प्रशासन और जिम्मेदार आयोजन व्यवस्था की असली कसौटी है।

दुर्गा पूजा के पंडाल में मां के दर्शन की प्रतीक्षा कर रहे लोगों को शायद अंदाजा भी नहीं रहा होगा कि जिस उत्सव में वे अपने परिवार के साथ खुशियां बांटने आए हैं, वही उनके जीवन की सबसे भयावह स्मृति बन जाएगा। कोलकाता के चोरबागान सार्वजनिक दुर्गा पूजा पंडाल में 17 अक्टूबर की शाम भगदड़ ने आस्था, उल्लास और उत्सव के वातावरण को चीख-पुकार में बदल दिया। जिन हाथों में पूजा की थालियां थीं, वे अपनों को बचाने के लिए बेचैन थे। जिन आंखों में मां दुर्गा के दर्शन की उम्मीद थी, उनके सामने अपनों को खोने का असहनीय दृश्य था। यह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि हमारे सार्वजनिक आयोजनों पर अंतिम निष्कर्ष प्रमाण और कानून के आधार पर ही निकाला जाना चाहिए। उत्तराखंड की जनता को यह भरोसा चाहिए कि किसी भी बेटी के साथ अन्याय होने पर न्याय की प्रक्रिया निष्पक्ष रहेगी, किसी प्रभावशाली व्यक्ति को अनुचित संरक्षण नहीं मिलेगा और किसी निर्दोष को भी बिना प्रमाण दोषी नहीं ढरखा जाएगा। अंकिता के प्रति सच्ची संवेदनशीलता न्याय की ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करना है जिस पर पीड़ित परिवार और समाज दोनों भरोसा कर सकें। यही उत्तराखंड की जनभावनाओं का सम्मान होगा और यही लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक कसौटी भी।



समारोहों में। हर ऐसी घटना के बाद शोक व्यक्त किया जाता है, मुआवजे की घोषणा होती है, जांच के आदेश दिए जाते हैं और कुछ समय तक सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा चलती है। फिर धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य हो जाता है। अगला उत्सव आता है, भीड़ जुटती है और वही पुरानी कमजोरियां न हादसे की आशंका पैदा करने लगती हैं। यह सिलसिला बताता है कि समस्या केवल किसी एक अधिकारी की लापरवाही या किसी एक आयोजन की अव्यवस्था तक सीमित नहीं है। इसके पीछे सुरक्षा को लेकर हमारी संस्थागत सोच की कमियां भी हैं। भीड़ अपने आप में दुर्घटना का कारण नहीं होती। समस्या तब पैदा होती है जब लोगों की संख्या उपलब्ध स्थान की क्षमता से अधिक हो जाती है, आवाजाही के रास्ते अवरुद्ध होते हैं, प्रवेश और निकास का प्रवाह बिगड़ता है या किसी अफवाह, अचानक हुई बारिश अथवा अप्रत्याशित घटना से लोग एक साथ आगे बढ़ने लगते हैं। भीड़ के दबाव में गिरा हुआ व्यक्ति दूसरों के लिए भी खतरा बन सकता है। ऐसे समय में कुछ क्षणों की अव्यवस्था जानलेवा साबित हो सकती है। इसलिए भीड़ प्रबंधन का अर्थ केवल पुलिसकर्मियों की तैनाती या बैरिकेड लगाने तक सीमित नहीं है। इसके लिए वैज्ञानिक आकलन, प्रशिक्षित कर्मियों, स्पष्ट संचार और आपातकालीन निकासी की समन्वित व्यवस्था जरूरी है। धार्मिक आयोजनों की सुरक्षा में मौसम संबंधी जोखिमों को भी गंभीरता से लिया जाना चाहिए। बारिश, बिजली गिरने की आशंका, तेज हवा और जलभराव जैसी परिस्थितियां किसी आयोजन की व्यवस्था को अचानक प्रभावित कर सकती हैं। ऐसे में आयोजकों के पास वैकल्पिक योजना होनी चाहिए। भीड़ को सुरक्षित स्थानों पर रोकने, प्रवेश अस्थायी रूप से बंद करने, लाउडस्पीकर के माध्यम से स्पष्ट निर्देश देने और जरूरत पड़ने पर आयोजन स्थगित करने का निर्णय समय रहते लिया जाना चाहिए। श्रद्धालुओं को दर्शन से रोकना कुछ समय के लिए अप्रिय लग सकता

है, लेकिन लोगों की जान बचाने के सामने ऐसी असुविधा का महत्व बहुत कम है। दुर्घटना के बाद मुआवजा देना मानवीय सहायता का जरूरी हिस्सा है। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उन्हें तत्काल आर्थिक सहायता, कानूनी मदद और प्रशासनिक सहयोग मिलना चाहिए। घायलों के उपचार में किसी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। लेकिन मुआवजा किसी व्यक्ति की जिंदगी का विकल्प नहीं हो सकता। एक परिवार का कमाने वाला सदस्य चला जाए, किसी मां की गोद उजड़ जाए या किसी बच्चे के सिर से माता-पिता का साया उठ जाए, तो आर्थिक सहायता उस क्षति को पूरा नहीं कर सकती। इसलिए सरकार और प्रशासन की प्राथमिकता केवल हादसे के बाद राहत देने की नहीं, बल्कि हादसे से पहले उसे रोकने की होनी चाहिए। जवाबदेही का प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है। किसी दुर्घटना के बाद केवल पूजा समिति या किसी एक कर्मचारी को दोषी ठहरा देना पर्याप्त नहीं होगा। यह पता लगाना जरूरी है कि आयोजन की अनुमति किन शर्तों पर दी गई थी, सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन हुआ या नहीं, स्थल की क्षमता का आकलन किसने किया, पुलिस और प्रशासन की तैनाती कैसी थी तथा जोखिम बढूने पर समय रहते क्या कदम उठाए गए। यदि आयोजकों, सुरक्षा एजेंसी या संबंधित अधिकारियों की लापरवाही सामने आती है, तो कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन जांच निष्पक्ष होनी चाहिए और जिम्मेदारी का निर्धारण प्रमाणों के आधार पर होना चाहिए, न कि राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के आधार पर। कोलकाता की इस त्रासदी से देश के दूसरे शहरों को भी सीख लेनी चाहिए। दुर्गा पूजा, गणेशोत्सव, छठ, कांवड़ यात्रा, धार्मिक मेले, मंदिरों के वार्षिक उत्सव और बड़े सांस्कृतिक समारोहों में लाखों लोग शामिल होते हैं। प्रत्येक आयोजन की प्रकृति अलग हो सकती है, लेकिन सुरक्षा के बुनियादी सिद्धांत समान हैं। भीड़ की क्षमता के अनुसार प्रवेश-पत्र या समय-आधारित दर्शन की व्यवस्था, अलग

प्रवेश और निकास मार्ग, प्रशिक्षित स्वयंसेवक, पर्याप्त प्रकाश, सीसीटीवी निगरानी, चिकित्सा सहायता केंद्र, एंबुलेंस के लिए निर्बाध रास्ता और आपातकालीन निकासी की पूर्वनिर्धारित योजना अनिवार्य होनी चाहिए। केवल कागज पर योजना बना देना पर्याप्त नहीं है; उसका अभ्यास और नियमित निरीक्षण भी जरूरी है। आयोजन समितियों को भी यह समझना होगा कि लोकप्रियता और भीड़ का आकार ही सफलता का पैमाना नहीं है। बड़े पंडाल, आकर्षक सजावट, भव्य प्रकाश व्यवस्था और प्रायोजकों की भागीदारी सभी सार्थक हैं, जब श्रद्धालु सुरक्षित वातावरण में दर्शन कर सकें। प्रशासन को अनुमति देते समय सुरक्षा मानकों की जांच करनी चाहिए और आयोजन के दौरान भी उनकी निगरानी करनी चाहिए। यदि भीड़ नियंत्रण से बाहर हो रही हो, तो किसी भी दबाव से मुक्त होकर प्रवेश रोकने या आयोजन अस्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया जाना चाहिए। सुरक्षा संबंधी नियमों को औपचारिकता मानने की प्रवृत्ति समाप्त करनी होगी। मीडिया और नागरिक समाज की भी इसमें भूमिका है। दुर्घटना के समय अग्रुठ तस्वीरें, मृतकों की गलत संख्या और सनसनीखेज दावों को प्रसारित करने के बजाय विश्वसनीय सूचना को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। अफवाहें राहत और बचाव के काम को बाधित कर सकती हैं। वहीं, दुर्घटना के बाद मीडिया का दायित्व केवल घटनास्थल के दृश्य दिखाना नहीं, बल्कि जांच के निष्कर्षों और सुरक्षा सुधारों पर भी नजर रखना है। जब तक जवाबदेही तय नहीं होती और व्यवस्था में वास्तविक बदलाव नहीं आता, तब तक सार्वजनिक विमर्श को जीवित रखना जरूरी है। मां दुर्गा की आराधना शक्ति, साहस और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का संदेश देती है। दुर्गा पूजा का उत्सव जीवन, सामुदायिक एकता और सांस्कृतिक उल्लास का उत्सव है। यदि इसी उत्सव में श्रद्धालुओं की जान चली जाए, तो हम अपनी व्यवस्थाओं पर गंभीर आत्ममंथन करना चाहिए। आस्था के नाम पर जोखिम को स्वीकार नहीं किया जा सकता। श्रद्धालु प्रशासन पर भरोसा करके अपने परिवार के साथ घर से निकलते हैं। उस भरोसे की रक्षा करना राज्य, आयोजकों और समाज की साझा जिम्मेदारी है। चोरबागान की घटना में जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके दुःख की भरपाई संभव नहीं है। लेकिन उनकी पीड़ा को केवल शोक संदेशों और मुआवजे की घोषणाओं तक सीमित कर देना भी अन्याय होगा। इस त्रासदी की निष्पक्ष जांच पर, जिम्मेदारी तय हो और उसके निष्कर्षों के आधार पर सुरक्षा व्यवस्था में ठोस सुधार किए जाएं। आने वाले हर बड़े आयोजन में इन सुधारों की परीक्षा होनी चाहिए। उत्सव की सफलता भीड़ की विशालता से नहीं, लोगों की सुरक्षा से तय होती है। मां के दर्शन के लिए निकला कोई श्रद्धालु अपने घर लौटते समय जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी लेकर न लौटे—यही किसी भी सभ्य समाज, संवेदनशील प्रशासन और जिम्मेदार आयोजन व्यवस्था की असली कसौटी है।

शहर की सड़कों पर लगातार बढ़ी रही गोवंश की संख्या



कोटद्वार नगर निगम के अंतर्गत गिवाईसोत पुल पर बैठे निराश्रित गोवंश

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार: शहर की सड़कों पर घूम रहे निराश्रित गोवंश अब राहगीरों की जान पर भी खतरा बनने लगे हैं। आए दिन गोवंश राहगीरों पर हमला कर उन्हें घायल कर रहे हैं।

यही नहीं कुछ माह पूर्व जौनपुर क्षेत्र में गोवंश के हमले में घायल एक व्यक्ति की मौत तक हो गई थी। वहीं, बालासोड़ क्षेत्र में भी एक गोवंश ने बुजुर्ग को गंभीर रूप

से घायल कर दिया था। चौकाने वाली बात तो यह है कि लगातार हादसों के बाद भी सरकारी सिस्टम समस्या को लेकर लापरवाह बना हुआ है।

समय-समय पर नगर निगम निराश्रित गोवंश संरक्षण के लिए अभियान चलाने के दावे करता रहता है। लेकिन, हकीकत यह है कि सड़क पर लगातार निराश्रित गोवंश की संख्या बढ़ती जा रही है। जगह-जगह

अब तक हुए हादसे

कुछ माह पूर्व जौनपुर में अपने घर के बाहर खड़े एक व्यक्ति पर गोवंश ने हमला कर दिया था। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को बेस अस्पताल पहुंचाया गया। लेकिन, कुछ दिन बात ही उपचार के दौरान व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं, कुछ सप्ताह पूर्व ही गोवंश ने बालसोड़ मुख्य मार्ग पर जा रहे व्यक्ति पर पीछे से हमला कर दिया था।

कुछ माह पूर्व काशीरामपुर तहसी में भी गोवंश ने एक व्यक्ति पर हमला कर दिया था। बेस अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद व्यक्ति को हायर सेंटर रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी भी मौत हो गई थी। पटेल मार्ग में सब्जी खरीद रही महिला पर गोवंश ने हमला कर दिया था। महिला को उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया।

गोवंश सड़क पर बैठे रहते हैं, जिस कारण जाम की स्थिति बनी रहती है। साथ ही राहगीरों को दुर्घटनाओं का भी खतरा बना रहता है। गलियों में घूमने वाले गोवंशों के कारण बुजुर्ग व बच्चों का घरों से बाहर

लगातार हादसों के बाद भी आंखें मूंदकर बैठा है सिस्टम

निकलना भी मुश्किल हो गया है। शाम के समय नदी के ऊपर बने पुलों में गोवंश का झुंड बैठा हुआ आसानी से देखा जा सकता है। गोवंश रात के समय काशतकारों के खेतों में घुस कर फसल को भी चट कर रहे हैं, जिससे काशतकारों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है।

सुध नहीं ले रहे पशुपालक

नगर की सड़कों पर घूमने वाला अधिकांश गोवंश वह हैं, जिसे पशुपालक जानबूझकर सड़कों में छोड़ देते हैं। इनमें से कई ऐसे भी गोवंश होते हैं, जो निष्प्रयोज्य होते हैं। पशुपालन विभाग हो अथवा नगर निगम, आज तक शायद ही किसी पशुपालक के खिलाफ कार्यवाही की गई हो। सबसे बुरी स्थिति भावर व सनेह क्षेत्र में बनी रहती है। रात के अंधेरे में सड़कों पर बैठे यह गोवंश नजर नहीं आते। जिससे हादसों का आर्थिक अंदेशा बना रहता है।

देवी मंदिर में मां कालरात्रि की पूजा-अर्चना, उमड़े श्रद्धालु



कोटद्वार के देवी मंदिर में मां कालरात्रि की पूजा-अर्चना करते श्रद्धालु।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार। शारदीय नवरात्र के सातवें दिन शनिवार रात देवी मंदिर में मां कालरात्रि की विशेष पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने मां के दर्शन कर परिवार और समाज की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। वहीं, रविवार को अष्टमी के अवसर पर भी मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।

कालरात्रि की आराधना से नकारात्मक शक्तियाँ और बाधाओं से मुक्ति मिलती है। मंदिर समिति के अध्यक्ष राजाराम अंधवाल ने बताया कि नवरात्र के दौरान मंदिर में नियमित पूजा-अर्चना के साथ भंडारे का भी आयोजन किया जा रहा है। सोमवार को नवमी के अवसर पर मंदिर में विशेष हवन किया जाएगा।

फुटबाल प्रतियोगिता शुरू , बाल भारती ने जीता उद्घाटन मुकाबला

गुरुकुल एकेडमी को 3-1 से हराया, अभिज्ञान भट्ट ने दागे तीन गोल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार: मोटाढांक स्थित जनता इंटर कॉलेज में मुकेश बिट्ट की स्मृति में अंतरविद्यालय फुटबाल प्रतियोगिता का शुभारंभ हो गया है।

प्रतियोगिता के उद्घाटन मुकाबले में बाल भारती पब्लिक स्कूल ने गुरुकुल एकेडमी चंदनपुरा को 3-1 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। बाल भारती की ओर से अभिज्ञान भट्ट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन गोल दागे और मैन ऑफ द मैच का खिताब अपने नाम किया।

प्रतियोगिता का शुभारंभ सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट कर्नल चंद्रपाल पटवाल और बाल भारती

पब्लिक स्कूल के निदेशक गिरिराज सिंह रावत ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। प्रतियोगिता में क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों की 20 टीमों प्रतिभाग कर रही हैं। उद्घाटन मुकाबला बाल भारती पब्लिक स्कूल और गुरुकुल एकेडमी चंदनपुरा के बीच खेला गया। मुकाबले में दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। हालांकि, बाल भारती पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने शानदार तालमेल और आक्रमक खेल के दम पर 3-1 से जीत दर्ज की। टीम की ओर से अभिज्ञान भट्ट ने तीनों गोल कर अपनी टीम को जीत दिलाई। इस मौके पर मेहरवान सिंह नेगी, तरुण ईशवाल, इंद्रा सिंह और सिद्धार्थ रावत सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

उत्तरकाशी में भी होती है बंगाल की परंपरा से मां की आराधना

उत्तरकाशी। शारदीय नवरात्र के दौरान मां दुर्गा की आराधना की एक अनूठी परंपरा और उत्साह के साथ निभाई जा रही है। शहर के हनुमान मंदिर में नवदुर्गा उपासना समिति की ओर से पिछले 25 वर्षों से दुर्गा पूजा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान बंगाल की परंपरा के अनुसार मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा अर्चना की जा रही है। इसके साथ ही विजयादशमी के दिन प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाता है। नवदुर्गा उपासना समिति के संस्थापक एवं अध्यक्ष सुरेश चंद सोनी के नेतृत्व में हर वर्ष देहरादून से मां दुर्गा के साथ भगवान गणेश, माता लक्ष्मी, मां सरस्वती, भगवान कार्तिकेय और महिषासुर मर्दिनी की प्रतिमाएं मंगाई जाती हैं। हनुमान मंदिर समिति के सहयोग से आयोजित होने वाले इस महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेकर मां दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। आजकल नवरात्र के दौरान मंदिर परिसर में भक्तिमय माहौल बना रहता है। महोत्सव के तहत पूजा मंडप में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए जाते हैं। हनुमान मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य शिव प्रसाद भट्ट और चंद्रशेखर प्रसाद भट्ट विधि-विधान से पूजा-अर्चना कराते हैं। इस दौरान श्रद्धालु मां दुर्गा की आराधना कर परिवार और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना करते हैं।

बेस अस्पताल का शासनादेश जारी होने तक जारी रहेगा आंदोलन

ऋषिकेश। चमोली के सिमली स्थित अस्पताल को बेस अस्पताल बनाने की मांग को लेकर पदयात्रा कर ऋषिकेश पहुंचे लोगों ने रविवार को आईएसबीटी में प्रेस वाती की। पदयात्रा समिति के अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह नेगी ने बताया कि 20 अक्टूबर को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन सौंपा जाएगा। मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन शुरू किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 में 35 करोड़ रुपये की लागत से बने अस्पताल भवन का समुचित उपयोग नहीं हो रहा है। 50 बेड के इस अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती नहीं है। नौ नवंबर 2024 को मुख्यमंत्री ने इसे बेस अस्पताल बनाने की घोषणा की थी, लेकिन अब तक शासनादेश जारी नहीं हुआ।

डैफोडिल्स ने जीता टूर्नामेंट का खिताब

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार: बलूनी पब्लिक स्कूल में आयोजित स्वर्गीय एडवोकेट राशेरा भादजा मेमोरियल इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट का रविवार को समापन हो गया। फाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए डैफोडिल्स की टीम ने खिताब अपने नाम किया, जबकि मेजबान बलूनी स्पोर्ट्स एकेडमी को उपविजेता के खिताब से संतोष करना पड़ा। समापन समारोह में विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने विद्यार्थियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़ना चाहिए। वहीं, महापौर शैलेंद्र सिंह रावत, समाजसेवी एवं उद्यमी चांद मौला बख्श व पूर्व मंडी परिषद अध्यक्ष सुमन कोटनाला विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद



प्रतियोगिता के विजेता टीम को सम्मानित करते अतिथि

रहे। टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने खेल भावना के साथ प्रदर्शन किया। पूरे टूर्नामेंट में बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुए बलूनी स्पोर्ट्स एकेडमी की टीम ने फाइनल तक का सफर तय किया। हालांकि, खिताबी मुकाबले में डैफोडिल्स ने

जीत दर्ज कर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। व्यक्तिगत पुरस्कारों में बलूनी स्पोर्ट्स एकेडमी के स्विनल रावत को बेस्ट बैटर चुना गया। वहीं, डैफोडिल्स के मनीष नेगी को प्लेयर ऑफ द मैच और बेस्ट बॉलर के खिताब से नवाजा गया।

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी:

बदरीनाथ हाईवे पर श्रीनगर में शनिवार देर रात एक अनियंत्रित तेल टैंकर एसबीआई के सामने सड़क किनारे स्थित एक क्लीनिक में जा घुसा। हादसे में क्लीनिक समेत आसपास की दो अन्य दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं। टैंकर की चपेट में आने से बाहर खड़ी एक स्कूटी बुरी तरह कुचल गई, जबकि एक कार को भी नुकसान पहुंचा। गनीमत रही कि हादसे के समय टैंकर खाली था और देर रात होने के कारण आसपास लोगों की आवाजाही कम थी। इस वजह से कोई जनहानि नहीं हुई।

हादसे में दुकानों और वाहनों को हुए नुकसान से टक्कर की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है। देर रात घटना होने के कारण सड़क और दुकानों के आसपास लोगों की मौजूदगी कम थी। यदि यही हादसा दिन के समय होता, जब हाईवे पर वाहनों और दुकानों के आसपास लोगों की आवाजाही अधिक रहती है, तो बड़ा हादसा हो सकता था।

वहीं, टैंकर खाली होने से तेल रिसाव और आग लगने जैसी संभावित आशंकाओं से जुड़ा खतरा भी नहीं रहा। इस घटना ने बदरीनाथ हाईवे के किनारे



दुकान में घुसा ट्रक

स्थित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और वहां खड़े वाहनों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। सड़क किनारे दुकानों के आसपास सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करने और अनियंत्रित वाहनों से होने वाले

हादसों को रोकने की जरूरत एक बार फिर सामने आई है। श्रीनगर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि हादसे में हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

बेकाबू तेल टैंकर क्लीनिक में घुसा, तीन दुकानें क्षतिग्रस्त

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी: स्वतंत्रता सेनानी एवं समाज सुधारक उत्तराखंड रत्न कर्मवीर जयानंद भारती ने डोला-पालकी आंदोलन के माध्यम से सामाजिक भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाकर समानता की अलख जगाई। उनका जीवन संघर्ष, त्याग और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देता है। यह बात कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने स्वर्सी में जयानंद भारती की 146वीं जयंती पर आयोजित राजकीय मेले के शुभारंभ अवसर पर कही। सतपाल महाराज ने कहा कि जयानंद भारती ने उस दौर में छुआछूत और सामाजिक कुुर्रितियों के खिलाफ संघर्ष किया, जब समाज जातिगत भेदभाव से जकड़ा हुआ था। उन्होंने डोला-पालकी आंदोलन के माध्यम से उन वर्गों के अधिकारों की लड़ाई लड़ी, जिन्हें विवाह जैसे अवसरों पर डोला-पालकी के उपयोग से वंचित रखा जाता था। उनका उद्देश्य समाज के प्रत्येक व्यक्ति को समान अधिकार और



आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ करते काबीना मंत्री सतपाल महाराज

सम्मान दिलाना था। उन्होंने कहा कि जयानंद भारती ने स्वतंत्रता आंदोलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ब्रिटिश शासन के दौरान उन्होंने संयुक्त प्रांत के गवर्नर लॉर्ड मैलकम हेली के सामने तिरंगा फहराकर हांगो बैक मैलकम हेलीह

के नोरे लगाए थे। उनका साहस और राष्ट्र के प्रति समर्पण आज भी लोगों को प्रेरित करता है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहरों और महान विभूतियों की स्मृतियों को संरक्षित करने के

जयानंद भारती के भवन के जीर्णोद्धार के लिए धनराशि स्वीकृत

विकासखंड बीरौखाल के साबली, पंचपुरी स्थित स्वतंत्रता सेनानी एवं समाज सुधारक कर्मवीर जयानंद भारती के भवन का जीर्णोद्धार किया जाएगा। इसके लिए सरकार ने 40 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज के अनुरोध पर इस कार्य को मुख्यमंत्री घोषणा में शामिल किया है। सतपाल महाराज ने कहा कि जयानंद भारती ने स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान देने के साथ ही सामाजिक कुुर्रितियों के उन्मूलन, जनजागरण और सामाजिक समानता के लिए उल्लेखनीय कार्य किए। उनका जीवन और योगदान उत्तराखंड की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर है। उन्होंने कहा कि भवन का जीर्णोद्धार होने से जयानंद भारती की स्मृतियों को संरक्षित रखने में मदद मिलेगी। साथ ही, भावी पीढ़ियों को उनके संघर्ष, सामाजिक योगदान और राष्ट्र के प्रति समर्पण से परिचित कराने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम में पौड़ी विधायक राजकुमार पौरी, धनसाली विधायक शक्तिराल शाह, ब्लॉक प्रमुख नेहा नेगी, ज्येष्ठ प्रमुख कुलदीप नेगी, जिला पंचायत सदस्य रजनी रावत, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुवेश रावत, मंडल अध्यक्ष ओमपाल बिष्ट, जिला महामंत्री महिपाल नेगी, पोखड़ा मंडल अध्यक्ष शैलेश दर्शन, दर्शन सिंह रिगोड़ा, बीकेटीसी सदस्य नीलम, पूर्व प्रमुख प्रीति देवी, आर्य समाज के राष्ट्रीय महामंत्री विनय आर्य और सोनिया वालिया सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

लिए प्रतिबद्ध है। स्वतंत्रता सेनानियों और समाज जस्यै है, ताकि युवा उनके आदर्शों से प्रेरणा ले सुधारकों के योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना सकें।

तिलोथ सड़क पर बने हैं गहरे गड्ढे

उत्तरकाशी। मुख्यमंत्री के 15 अक्टूबर तक सड़कों को गड्ढामुक्त करने के निर्देश के बावजूद जिले में कई सड़कों की हालत में सुधार नहीं हुआ है। जिला मुख्यालय से सटे ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों पर अब भी गहरे गड्ढे बने हुए हैं जिससे लोगों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।



लंबागंव मोटर मार्ग से तिलोथ को जोड़ने वाली सड़क की स्थिति भी बदहाल है। सड़क पर बहते पानी के बीच बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए हैं। पानी के लगातार बहाव से सड़क के कई हिस्सों में गहरी खाइयां बन गई हैं। इसके बावजूद अब तक इन गड्ढों को भरने के लिए कोई कार्य नहीं किया गया है। सड़क की खराब स्थिति के कारण स्थानीय लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

वहीं, लोनिवि का कहना है कि गड्ढामुक्त अभियान के तहत केवल राज्य राजमार्ग, अन्य जिला मार्ग और प्रमुख जिला मार्ग श्रेणी की सड़कों पर ही गड्ढे भरने का कार्य किया जाना था। लोनिवि प्रांतीय खंड उत्तरकाशी के सहायक अभियंता मुनेंद्र राजपूत ने बताया कि तिलोथ बस्ती और जिला मुख्यालय को जोड़ने वाली सड़क ग्रामीण क्षेत्र में आती है इसलिए इसे अभियान के तहत शामिल नहीं किया गया।

मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार: जानकी नगर स्थित सस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में स्व. रितेश शर्मा की जयंती पर मेधावी छात्र सम्मान का आयोजन किया गया। साथ ही स्वेच्छिक रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। जिसमें हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के 31 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस मौके पर 26 युनित रक्त भी एकत्रित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण, आधारशिला रक्तदान फाउंडेशन के संयोजक दलजीत सिंह ने किया। सर्वप्रथम रक्तदान करने के लिए लोगों ने पंजीकरण करवाया, जिसमें 35 लोगों ने पंजीकरण करवाया, जिसमें कोटद्वार बेस चिकित्सालय के ब्लड बैंक के लिए 26 युनित रक्त एकत्रित किया गया। तत्पश्चात विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने हाईस्कूल के 17 एवं इंटरमीडिएट के 14 मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशंसित पत्र देकर सम्मानित



आयोजित कार्यक्रम में बच्चों को सम्मानित करते अतिथि

किया। इसके अलावा विद्यालय में आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने व अप्रैल से अक्टूबर तक शत प्रतिशत उपस्थित होने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस मौके पर

प्रधानाचार्य मनोज कुकरेती, महेंद्र गौड़, रोहित बलोदी, पुष्कर सिंह नेगी, परितोष रावत, भूपेंद्र सिंह, हिमांशु द्विवेदी, शंकर बहादुर, डा. कृष्णा, नाजिया, अजय कुमार, प्रदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

सत्र से पहले उठने लगी गैरसैण को जिला बनाने की मांग

गोपेश्वर। गैरसैण में आगामी 27 अक्तूबर से विधानसभा सत्र आयोजित होगा। चमोली जिला प्रशासन सत्र को निर्विघ्न संपन्न करने की तैयारियों में जुट गया है। इस बार सत्र से पहले ही गैरसैण को जिला बनाने की मांग उठने लगी है। लोगों का कहना है कि गैरसैण को अलग जिला बनाया जाना चाहिए। जिससे सत्र के अलावा गैरसैण में वर्षभर कामकाज होता रहे।

विधानसभा सत्र के आयोजन के दौरान चमोली जिला प्रशासन सत्र शुरू होने से करीब एक सप्ताह पहले ही गैरसैण पहुंच जाता है। विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष भी वहां डेरा डाल देते हैं। वहीं, पुलिस महकमा भी जिला मुख्यालय के साथ ही अन्य क्षेत्रों से भी पुलिस बल को गैरसैण में तैनात कर देता है। इससे जिले के अन्य हिस्सों में यातायात, सुरक्षा व्यवस्था और विभागीय कामकाज प्रभावित होने की स्थिति बन जाती है।

बहुगुणा विचार मंच के गढ़वाल-कुमाऊं



संयोजक एवं वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश पुजारी ने कहा कि गैरसैण को अलग जिला बनाया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि आगामी विधानसभा सत्र में सरकार गैरसैण को जिला बनाने की घोषणा करे। बदरीनाथ-केंदरानाथ

मंदिर समिति के पूर्व सदस्य विरेंद्र असवाल का कहना है कि प्रतिवर्ष गैरसैण में विधानसभा सत्र आयोजित होते हैं। इसके लिए वहां प्रशासनिक ढांचा स्थापित किया जाना बेहद जरूरी है।

सड़कों को गड्ढा मुक्त के दावे भ्रामक



नंदानगर। कांग्रेस ने नंदानगर क्षेत्र के सड़कों के गड्ढे भरने के नाम पर खानापूर्ति करने का आरोप लगाया है। एक तरफ सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का दावा किया जा रहा है, जबकि विभिन्न लिंक मोटर

मार्गों की स्थिति बदहाल बनी हुई है।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महिपाल सिंह रावत और महिला कांग्रेस अध्यक्ष अंबी देवी ने ने कहा कि सड़कों की बदहाल स्थिति बदहाल बनी हुई है। नंदानगर-भैंटी मोटर मार्ग के पांच मीटर पर गड्ढे हो रहे हैं। इससे वाहन चालकों और स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार प्रदेश की सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने के दावे कर रही है, वहीं

नंदानगर क्षेत्र में इन दावों की हकीकत कुछ और ही है। क्षेत्र के अन्य लिंक मोटर मार्गों की स्थिति भी खराब बनी हुई है, जबकि कच्चे मार्गों की हालत और भी दयनीय है।

पशुपालकों को फिर मिलेगा पशु बीमा योजना का लाभ

गोपेश्वर। चमोली जिले के पशुपालकों को जल्द ही पशु बीमा योजना का लाभ मिल सकेगा। करीब दो साल से पशुपालकों को इस योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा था। अब पशुपालन विभाग ने दोबारा बीमा योजना का लाभ देने का निर्णय लिया है। इससे पशुपालकों को अपने पशुओं की सुरक्षा के साथ आर्थिक नुकसान से राहत मिलने की उम्मीद है।

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. देवेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि विभाग की ओर से पशुपालकों को शीघ्र ही बीमा योजना से जोड़ा जाएगा। योजना के तहत पालतू पशुओं की बीमारी या दुर्घटना के कारण मौत होने पर बीमा का लाभ दिया जाएगा। इससे पशुओं की मौत से होने वाले आर्थिक नुकसान की भरपाई में पशुपालकों को मदद मिलेगी।

पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोपी गिरफ्तार

गोपेश्वर। पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में पुलिस ने पति को गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला कारागार पुरसाड़ी भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार, एक महिला ने गोपेश्वर थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया कि क्वाकी देवलधार निवासी विष्म लाल (42) ने 23 सितंबर की रात अपनी पत्नी के साथ मारपीट की और उसे आत्महत्या के लिए उकसाया। इसके बाद उसकी पत्नी ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। तहरीर के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की। एम्पी के निर्देश पर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित की गई। रविवार को पुलिस ने आरोपी विष्म लाल को पटियालधार क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया।

ज्योतिर्मठ में आवारा कुत्तों का रेबिज टीकाकरण शुरू



गोपेश्वर/ज्योतिर्मठ। ज्योतिर्मठ नगर क्षेत्र में आवारा कुत्तों के बढ़ते आतंक के बीच नगर पालिका प्रशासन ने रेबिज टीकाकरण अभियान शुरू कर दिया है। अब तक करीब 60 कुत्तों का टीकाकरण किया जा चुका है। पालिका की ओर से पशुपालन विभाग के सहयोग

से यह अभियान चलाया जा रहा है।

नगर क्षेत्र में आवारा कुत्तों के कारण लोग परेशान हैं। कई कुत्ते गह चलेते लोगों पर झपट रहे हैं और उन्हें काट भी रहे हैं। इससे लोगों में भय बना हुआ है। नगर पालिका प्रशासन ने कुत्तों के टीकाकरण के साथ ही उनके बढ़ते प्रकोप पर नियंत्रण की पहल की है।

नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी सुनील पुरोहित ने बताया कि कुत्तों का रेबिज टीकाकरण कराया जा रहा है। भविष्य में कुत्तों के बधियाकरण की कार्यवाही भी की जाएगी, जिससे उनकी बढ़ती संख्या पर नियंत्रण किया जा सके।

बैरागना में हाईवे से मलबा हटाने का काम शुरू

गोपेश्वर। चमोली-कुंड हाईवे पर बैरागना में राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) ने मलबा निस्तारण का काम शुरू कर दिया है। हालांकि, हाईवे के दोनों ओर अभी भी ढाँचें मलबा जमा है, जिससे वाहनों की आवाजाही में दिक्कतें आ रही हैं। बैरागना और भदाकोटी के आपदा प्रभावितों ने गंदेरे के दोनों ओर बाढ़ सुरक्षा कार्य करने और हाईवे पर पुलिया बनाने की मांग उठाई है।

बीते अगस्त में बैरागना गांव के ठीक उमर पहाड़ी पर भूस्खलन शुरू हो गया था। पहाड़ी से आया मलबा गंदेरे में जमा होने के बाद हाईवे तक पहुंच गया था। ग्राम प्रधान सृष्टि राणा ने कहा कि आपदा के दो माह बाद भी गंदेरे के दोनों ओर बाढ़ सुरक्षा कार्य नहीं किए गए हैं। हल्की बारिश होने पर भी हाईवे पर मलबा आ रहा है। ऐसे में यहां पुलिया का निर्माण जरूरी है।

इधर, एनएच के अधिकारियों ने बताया कि हाईवे से मलबा हटाने का काम शुरू कर दिया गया है। यहां पुलिया या कॉजवे का निर्माण कराया जाएगा। हाईवे के सुधारीकरण के लिए प्रस्ताव भी तैयार किया गया है।



मिनिस्टिरीयल कर्मचारियों ने कलेक्ट्रेट को विशेष कार्यालय का दर्जा देने की मांग उठाई

गोपेश्वर। कलेक्ट्रेट को विशेष कार्यालय का दर्जा देने, कलेक्ट्रेट ढांचे के पुनर्गठन की प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने सहित अपनी विभिन्न मांगों को लेकर उत्तराखंड कलेक्ट्रेट मिनिस्टिरीयल कर्मचारी संघ की चमोली शाखा से जुड़े अधिकारी कर्मचारियों ने कार्यबहिष्कार का धरना-प्रदर्शन किया।

उन्होंने मांगों पर शीघ्र कार्यवाई न होने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने का एगान किया है। इस दौरान जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को भी ज्ञापन भेजा गया। शाखा अध्यक्ष राकेश नेगी और महामंत्री गिरिजा प्रसाद कोटियाल के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट परिसर में धरने पर बैठे कर्मचारियों ने एक सभा की। उन्होंने लिंबित कलेक्ट्रेट ढांचे के पुनर्गठन की प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने, कलेक्ट्रेट को विशेष कार्यालय या विभाग का दर्जा देने, कनिष्ठ सहायक की शैक्षिक योग्यता इंटरमीडिएट से स्नातक करने और वेतनमान संशोधित करने की मांग की गई है। इसके अलावा मुख्य प्रशासनिक अधिकारी को तहसीलदार का लिंक अधिकारी घोषित करने, पदोन्नति के लिए कलेक्ट्रेट संवर्ग में 10 प्रतिशत कोटा निर्धारित करने, वरिष्ठ एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारियों के रिक्त पदों पर समय से पदोन्नति करने तथा पारस्परिक और निजी अनुरोध के आधार पर लिंबित स्थानांतरण प्रकरणों का निस्तारण करने की मांग उठाई गई है। इस मौके पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष चरिया, जैसमीन जैकब, संतोष सिंह रावत, अब्बल सिंह बिष्ट, अब्बल सिंह खत्री, किशोर चौहान, जगमोहन सिंह गुसाईं, मैराज सादिक, जगदंबा पुरोहित आदि मौजूद रहे।

एक नजर

जिला अस्पताल को मेडिकल कॉलेज का बेस अस्पताल बनाने की मांग

नई टिहरी। नई टिहरी में मेडिकल कॉलेज निर्माण की मांग को लेकर चल रहा आंदोलन थमने का नाम नहीं ले रहा है। मेडिकल कॉलेज निर्माण संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले मेडिकल कॉलेज निर्माण की मांग को लेकर बौराड़ी गणेश चौक में अनिश्चितकालीन धरना 78 वें व त्रैमिक अन्शनन 48 वें दिन जारी रहा। रविवार को त्रैमिक अन्शनन पर टेक्सी युनियन बौराड़ी के अध्यक्ष ठिकम सिंह चौहान और दिनेश भट्ट बैठे। धरने पर बैठक कांग्रेस महासचिव राकेश राणा, राज्य आंदोलनकारी देवेंद्र नौडियाल ने कहा कि जिला अस्पताल में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा न होने के कारण लोगों को इलाज के लिए त्रिभुकेश और देहरादून जाना पड़ रहा है।

खस्ताहाल स्वास्थ्य सुविधाओं के देखते हुए जिला मुख्यालय में मेडिकल कॉलेज का निर्माण किया जाना अति आवश्यक है। कहा कि सरकार को बिना किसी भेदभाव के शीघ्र मेडिकल कॉलेज का शासनादेश जारी करना चाहिए। जिला अस्पताल बौराड़ी को मेडिकल कॉलेज का बेस अस्पताल बनाने की मांग दोहराई। इस मौके पर जीतराम भट्ट, कमल सिंह महर, त्रिलोक चंद रमोला, चंदन सिंह रावत, लक्ष्मण रावत, किशोरी लाल चमोली, अब्दुल मारूफ, अनुसूया नौटियाल, भरत सिंह रावत, संदीप रावत, राहुल बुटोला, शोभन सिंह पंवार आदि मौजूद थे।

नगर क्षेत्र की नौ किमी सड़क का डामरीकरण नहीं कर पा रहा लोनिवि

नई टिहरी। नगर पालिका ने अपनी सड़कों का हॉटमिक्स डामरीकरण कर लोगों को बड़ी राहत दी है लेकिन सीएम घोषणा में शामिल लोनिवि की नौ किमी सड़क के गड्ढे पैचवर्क से भरे जा रहे हैं नई टिहरी नगर क्षेत्र में नगर पालिका के पास 20 किमी और लोनिवि के पास नौ किमी सड़क है। खस्ताहाल स्थिति में पहुंची सड़कों का हॉटमिक्स डामरीकरण करने की मांग उठने पर नई टिहरी भ्रमण पर आए सीएम पुष्कर सिंह धामी ने शहर की आंतरिक सड़कों का हॉटमिक्स डामरीकरण करने घोषणा की थी। 2025 में संशोधित घोषणा में भी नगर क्षेत्र की आंतरिक सड़कों का हॉटमिक्स डामरीकरण कार्य शामिल है लेकिन उस पर अभी तक कोई काम नहीं होने पर पालिका ने सात करोड़ से 20 किमी सड़क का हॉटमिक्स डामरीकरण कर दी है लेकिन लोनिवि की सड़कों के गड्ढे पैचवर्क से भरे जा रहे हैं। पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत ने कहा कि लोनिवि की सड़कों की दशा सुधारने के लिए वह लोनिवि के अधीक्षण अभियंता से मिले थे। उन्होंने कहा कि विभाग की यही लापरवाही रही तो उन्हें आंदोलन को मजबूर होना पड़ेगा।

टैक्सी चालकों को यातायात के प्रति किया जागरूक

गोपेश्वर। यातायात निरीक्षक दिगंबर उनियाल ने चमोली टैक्सी युनियन के पदाधिकारियों व वाहन चालकोंको यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। चालकों को यात्रियों के साथ शांलीन व्यवहार करने व निर्धारित क्षमता से अधिक सवारी न बिठाने को कहा। यातायात निरीक्षक ने तेज रफ्तार, नशे में वाहन चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात करने, गलत दिशा में वाहन चलाने, क्षमता से अधिक सवारी बिठाने, बिना वैध दस्तावेजों के वाहन चलाने जैसे यातायात नियमों के उल्लंघन के प्रति जागरूक किया। वाहनों की समय पर फिटनेस करने, परमिट, लाइसेंस आदि दस्तावेज अनिवार्य रूप से अपने पास रखने को कहा। पहाड़ी सड़कों पर विशेष सावधानी बरतने को कहा। सड़क दुर्घटना में गोलडन आवर के बारे में बताया कि समय पर दुर्घटना पीड़ित को उपचार मिलने से जान बचाने की संभावना बढ़ जाती है। कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल की मदद करने के साथ ही तुरंत पुलिस व एंबुलेंस को सूचना दें।

तीरंदाजी में देहरादून, हरिद्वार और अल्मोड़ा का रहा दबदबा

नई टिहरी। बौराड़ी स्टेडियम में आयोजित नौवीं राज्य स्तरीय सीनियर बालक-बालिका तीरंदाजी प्रतियोगिता के दूसरे दिन व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं के मुकाबले हुए। इंडियन राउंड, कंपाउंड और रिकर्व वर्ग में खिलाड़ियों ने पदक जीते। टीम स्पर्धाओं में देहरादून, हरिद्वार और अल्मोड़ा की टीमें का प्रदर्शन बेहतर रहा। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष इशिता सजवाण ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। रविवार को इंडियन राउंड महिला वर्ग में मानषी राणा ने स्वर्ण, सनाया भंडारी ने रजत और तोषी जनार्दन ने कांस्य पदक जीता। पुरुष वर्ग में आदर्श पंवार प्रथम, अनिरुद्ध बिष्ट द्वितीय और आशीष तृतीय रहे। कंपाउंड महिला वर्ग में विनीता, अनुष्का और नंदनी राणा ने त्र्यशः स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते। पुरुष वर्ग में शिवम वर्मा प्रथम, भीम यादव द्वितीय और त्रक्ष्म त्यागी तृतीय रहे। रिकर्व पुरुष वर्ग में आदर्श नेगी ने स्वर्ण, अनीष राज ने रजत और चैतन्य सती ने कांस्य पदक जीता। महिला वर्ग में अनन्या बिष्ट प्रथम, दिव्यांशी द्वितीय और कीर्ति नव्याल तृतीय रही।

जमीन दान में मिली फिर भी 27 साल में नहीं बना अस्पताल भवन

कंडीसौड़ (टिहरी)। थैलघार ब्लॉक के दूरस्थ कटखेत में आयुर्वेदिक अस्पताल के भवन निर्माण की उम्मीद जगी है। विभाग ने इस वित्तीय वर्ष में भवन निर्माण का प्रस्ताव तैयार करने की बात कही है। अस्पताल के लिए ग्रामीणों ने 1999 में निजी भूमि दान दी थी लेकिन 27 साल बाद भी अस्पताल अपना भवन नहीं बना सका है।

जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. सुभाष चंद्र का कहना है कि अस्पताल के लिए भूमि दान में मिलने की जानकारी उन्हें चार-पांच माह पहले ही मिली थी। इसके बाद उन्होंने स्वयं भूमि का निरीक्षण किया। अब भूमि के दाखिल-खांरिज की प्रक्रिया चल रही है। कटखेत में ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए वर्ष



ओलंपिक इंडियन राउंड पुरुष वर्ग में नमन ने स्वर्ण, आशीष ने रजत और आदर्श ने कांस्य पदक जीता। महिला वर्ग में मानषी राणा प्रथम, तोषी द्वितीय और सनाया भंडारी तृतीय रही। ओलंपिक रिकर्व पुरुष वर्ग में आदर्श नेगी, चैतन्य सती और कार्तिक राणा ने त्र्यशः स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते। महिला वर्ग में अनन्या, दिव्यांशी और कीर्ति ने पदक हासिल

किए। ओलंपिक कंपाउंड पुरुष वर्ग में दिग्विजय प्रथम, अभिषेक रावत द्वितीय और शिवम वर्मा तृतीय रहे। महिला वर्ग में अनुष्का ने स्वर्ण, विनीता ने रजत और जिया ने कांस्य पदक जीता। इंडियन राउंड पुरुष टीम स्पर्धा में देहरादून ने स्वर्ण, उत्तराखंड पुलिस ने रजत और अन्नमसिंह नगर ने कांस्य पदक जीता। महिला वर्ग में हरिद्वार प्रथम और अल्मोड़ा द्वितीय रहा।

तिसरियाड़ा-चानी गांव के लिए 98.35 लाख से बनेगी सड़क

घनसाली (टिहरी)। तिसरियाड़ा और चानी के ग्रामीणों का जल्द सड़क सुविधा मिलने की उम्मीद जगी है। विनयखाल-तिसरियाड़ा-चानी गांव के लिए 98.35 लाख की लागत से साढ़े तीन किलोमीटर सड़क निर्माण का कार्य शुरू हो गया है।

ग्राम प्रधान शिवानी भट्ट ने विधिवत पूजा अर्चना कर सड़क निर्माण का कार्य शुरू करवाया। ग्राम प्रधान के साथ तिसरियाड़ा-चानी गांव के ग्रामीण ढोल-दमरूओं के साथ के सड़क निर्माण स्थल पर पहुंचे। ग्राम प्रधान ने कहा कि ग्रामीण लंबे समय सड़क निर्माण की मांग करते आ रहे थे। सड़क न होने से ग्रामीणों को 2 से 3 किलोमीटर पैदल दूरी तय कर विनयखाल पहुंचना पड़ता है। सड़क बनने से ग्रामीणों की राह आसान होगी। कहा कि विधायक शक्तिराने शाह के अथक प्रयासों सड़क स्वीकृत हो पाई है।

चार माह से बंद पड़ा चांदनीखाल—कांडई चंद्रशिला मोटर मार्ग

पोखरी। चांदनीखाल-कांडईचंद्रशिला सड़क चार महीने से बंद पड़ी है। इससे ग्रामीणों को पैदल ही आवाजाही करनी पड़ रही है। ग्रामीणों ने लोनिवि से जल्द से जल्द सड़क को सुचारू करने की मांग उठाई है।

चांदनीखाल से रडुवा होते हुए कांडई चंद्रशिला तक करीब तीन किमी सड़क का निर्माण वर्ष 2024-25 में हुआ। लेकिन जुलाई माह में बारिश के दौरान सड़क बाधित हो गई। कहीं मलबा पड़ा है तो कहीं पुरस्ते टूटे हुए हैं। रडुवा में करीब 200 और कांडई चंद्रशिला में करीब 100 परिवार निवास करते हैं। ग्रामीणों को चांदनीखाल व पोखरी बाजार तक आने के लिए पैदल आवाजाही करनी पड़ रही है।

रडुवा की प्रधान मनीषा देवी, प्रदीप बर्वाल, मदन सिंह भंडारी, देवेन्द्र सिंह सहित अन्य ग्रामीणों ने लोनिवि के अधिशासी अभियंता को



इस संबंध में ज्ञापन भेजा है। उन्होंने जल्द से जल्द सड़क पर यातायात सुचारू करवाने और

सड़क पर द्वितीय चरण का कार्य शीघ्र आरंभ कराने की मांग की है।

शस्त्र पूजन कर स्वयंसेवकों ने किया आत्मरक्षा का प्रदर्शन

नई टिहरी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के तहत रविवार को सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज नई टिहरी में विजयादशमी उत्सव मनाया गया। इस दौरान शस्त्र पूजन के साथ स्वयंसेवकों ने आत्मरक्षा की विभिन्न क्रियाओं का प्रदर्शन किया। नगर संघचालक सतीश थपलियाल की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने भारत माता, संघ के प्रथम सरसंघचालक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार और द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। मुख्य वक्ता जिला प्रचारक दीपक ने संघ के उद्देश्यों, कार्यों और गतिविधियों की जानकारी दी। बताया राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ वर्षभर छह प्रमुख उत्सव मनाता है। नगर संघचालक थपलियाल ने कहा कि शाखा लगाने, गृह संपर्क करने और हिंदू समाज को जागरूक करने जैसे कार्यों में स्वयंसेवकों को सन्नित् भूमिका निभानी चाहिए। इस मौके पर नगर कार्यवाह रामानुजन बहुगुणा, डॉ. सुशील कोटनाला, शीशराम कोटियाल, बीडी कुनियाल, अनिल नेथानी, महेंद्र बिष्ट, चरण सिंह, वेणीमाधव, स्वराज पंवार, रंजन भंडारी, विवेक बथानी, अब्बल सिंह श्रीकोटी आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

यमन के अदन एयरपोर्ट पर फिर हमला ; उड़ान भरने को तैयार विमान के पास गिरी मिसाइलें

साना, एजेंसी। यमन के बंदरगाह शहर अदन के हवाई अड्डे पर शुक्रवार रात दो मिसाइलें गिरने से हड़कंप मच गया। पुलिस ने हमले के लिए ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों को जिम्मेदार ठहराया है। मिसाइलें यमनिया एयरवेज के एक विमान से करीब 500 मीटर दूर गिरीं। उस समय विमान उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था। हमले से घबराए यात्रियों में चीख-पुकार मचने के बाद उनको तुरंत सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। किसी की हताहत होने की सूचना नहीं है। यमन के रणनीतिक बंदरगाह शहर अदन के हवाई अड्डे पर शुक्रवार रात दो मिसाइलें गिरीं। पुलिस के अनुसार, यह पिछले 10 दिनों से भी कम समय में हवाई अड्डे पर दूसरा मिसाइल हमला है। इससे पहले 7 अक्टूबर को भी रेंहा दो मिसाइलें दागी गई थीं। उस घटना में भी किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली थी। इस बार हमले के दौरान यमनिया एयरवेज का एक विमान उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था। यमन सरकार के सूचना मंत्री के अनुसार, मिसाइलें विमान से लगभग 500 मीटर दूर गिरीं। एक अधिकारी ने बताया कि विमान में सवार यात्रियों को तत्काल सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

अमेरिका में गैर-कानूनी रूप से मतदान करने के आरोपी में भारतीय नागरिक गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिनेसोटा में 2024 के आम चुनाव में अमेरिकी नागरिक होने का झूठा दावा करके वोट करने के आरोप में एक भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया गया है. अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी विभाग ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. आरोपी की पहचान मुकेशकुमार सोमाभाई चौधरी के रूप में की गई है. अमेरिकी जांच अधिकारियों ने चौधरी पर वोटिंग में जानबूझकर गलत जानकारी देने और वोट देने के लिए रजिस्टर करने या वोट देने के लिए नागरिकता का झूठा दावा करने का आरोप लगाया है. होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के मुताबिक, अगर चौधरी को दोषी पाया जाता है, तो उसे हर मामले में ज्यादा से ज्यादा पांच साल जेल की सजा हो सकती है. चार्जशीट के मुताबिक, चौधरी ने 5 नवंबर, 2024 को एक वोटर सिग्नेचर सर्टिफिकेट पर साइन किया था, जैसा कि मिनेसोटा कानून के तहत आम चुनाव में वोट देने के लिए जरूरी है. दस्तावेज में उसे यह शपथ लेने या पुष्टि करने की जरूरत थी कि वह एक अमेरिकी नागरिक है. जांच अधिकारियों का आरोप है कि वह नागरिक नहीं था और उसने जानबूझकर वोट देने के लिए झूठी घोषणा की. होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशन के स्पेशल एजेंट ट्रैविस फ़िकार्ड ने कहा, ‘सिर्फ अमेरिकी नागरिक ही मतदान कर सकते हैं, और वोट डालने के लिए नागरिकता का झूठा दावा करना एक गंभीर अपराध है. हम अपनी चुनाव प्रणाली की अखंडता की रक्षा के लिए अपने कानून लागू करने वाले दूसरे अधिकारियों के साथ काम करना जारी रखेंगे.’ छ।एस सचिव मार्क्वेन मुलिन ने कहा, ‘अमेरिकी चुनावों में मतदान करने वाले विदेशी नागरिकों के लिए हमारा संदेश स्पष्ट है: हम आपको दूढ़ लेगे, आपको गिरफ्तार करेंगे और आपको आपराधिक मामलों और निर्वासन सहित परिणामों का सामना करना पड़ेगा।

किम जोंग का शक्ति प्रदर्शन : उत्तर कोरिया ने एआई-बेस्ड टॉरपीडो सिस्टम का किया परीक्षण

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने शनिवार को कहा कि उसने एक नए टॉरपीडो सिस्टम का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है, जो लक्ष्य का पता लगाने और दिशा-निर्देशन (गाइडेंस) के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल करता है। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने बताया कि गुरुवार को जिस हथियार का परीक्षण किया गया, वह ‘जैम-2.0’ नाम का एक बेहद तेज गति वाला और सटीक गाइड्डेड टॉरपीडो सिस्टम है। हालांकि, इसमें यह नहीं बताया गया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से उनका क्या तात्पर्य है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि इस परीक्षण से हथियार के प्रोपल्शन सिस्टम (आगे बढ़ाने वाली प्रणाली) की पुष्टि हुई है, जिसे पिछले पांच वर्षों में 180 से अधिक परीक्षणों के जरिए विकसित किया गया था। दक्षिण कोरिया की सेना, जो अक्सर उत्तर कोरिया पर अपनी सैन्य तकनीकों को बढ़ा-चढ़ाकर बताने का आरोप लगाती है, ने केसीएनए की इस रिपोर्ट पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की। बता दें कि हाल के हप्तों में उत्तर कोरिया ने हथियारों के प्रदर्शन को तेज कर दिया है।

भारत को मिली राहत, ट्रंप ने रूसी तेल पर लगने वाला शुल्क हटाया

वाशिंगटन , एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी तेल खरीदने वालों को निशाना बनाने वाले एक नए अमेरिकी कानून के तहत शुल्क (टैरिफ) लागू किए, लेकिन साथ ही उसी आदेश में उन्हें माफ भी कर दिया। इससे भारत और चीन जैसे देशों को 100 प्रतिशत शुल्क लगने से राहत मिल गई है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब ये शुल्क लागू होने में बस एक दिन बचा था और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो भारत की यात्रा पर जा रहे हैं। शुक्रवार को हस्ताक्षरित और उसी दिन दूर शाम व्ह्वाइट हाउस द्वारा जारी इस कार्यकारी आदेश में ‘लिटंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनस रशिया एंड ईरान एक्ट 2026’ को लागू किया गया है। ट्रंप ने इस कानून पर 18 सितंबर को हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत रूसी तेल और गैस के सबसे बड़े खरीदारों से आने वाले सामानों पर 30 दिनों के भीतर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाने का प्रावधान था। यह समय-सीमा रविवार 18 अक्टूबर को समाप्त हो रही थी। यह आदेश ‘रूसी संघ से कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस आयात करने वाले शीप 5 देशों’ के सामानों पर 100 प्रतिशत शुल्क बढ़ाता है, बशर्ते ‘वह देश 18 अक्टूबर 2026 को या उसके बाद जानबूझकर रूसी संघ से कच्चा तेल या प्राकृतिक गैस की नई खरीद करता है’। यह आदेश ‘रूसी तेल प्रतिबंधों को दरकिनार करने में मदद करने वाले शीप 5

लाओस में चीन की बढ़ती सैन्य मौजूदगी से वियतनाम की चिंता बढ़ी, क्षेत्रीय सुरक्षा पर मंडराया खतरा

विएतियाने , एजेंसी। लाओस में चीन की बढ़ती सैन्य मौजूदगी ने दक्षिण-पूर्व एशिया में क्षेत्रीय सुरक्षा और शक्ति संतुलन को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। खास तौर पर वियतनाम के लिए यह घटनाक्रम महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह लंबे समय से लाओस को अपनी पश्चिमी सीमा पर रणनीतिक सुरक्षा के लिहाज से अहम सहयोगी मानता रहा है। चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों, लाओस में नेतृत्व परिवर्तन और बीजिंग पर बढ़ती आर्थिक निर्भरता के बीच हनौई के सामने अपने पारंपरिक प्रभाव को बनाए रखने की चुनौती खड़ी हो रही है। लोवो इंस्टीट्यूट के विशेषज्ञ हेंटर मार्स्टन ने पिछले सप्ताह कहा था कि वियतनाम को पहले से ही चारों ओर से घिरने की आशंका है, क्योंकि चीन दक्षिण चीन सागर में कृत्रिम द्वीपों और सैन्य ठिकानों को लगातार मजबूत कर रहा है।

चीन के सैन्य केंद्र के बाद वियतनाम-लाओस की अहम बैठक : 8 अक्टूबर को वियतनाम के प्रधानमंत्री ले मिन्ह हंग ने लाओस के नव नियुक्त प्रधानमंत्री सलेमक्से कोमासाथि से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने अपने देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे विशेष संबंधों को दोहराया। हालांकि, इस बैठक का महत्व इसके समय को लेकर अधिक है। यह मुलाकात चीन के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय की ओर से लाओस के बान केउन हवाई अड्डे पर संयुक्त सैन्य सहायता और प्रशिक्षण केंद्र खोलने की घोषणा के करीब एक सप्ताह बाद



हुई। इसके अलावा, यह लाओस की नेशनल असेंबली द्वारा सलेमक्से को प्रधानमंत्री चुने जाने के कुछ ही दिनों बाद आयोजित की गई। उन्होंने सोनेक्से सिफानडोन की जगह ली है, जिन्हें अब नेशनल असेंबली का अध्यक्ष बनाया गया है। बीजिंग का कहना है कि इस केंद्र का उद्देश्य लाओस की वायु सेना के पायलटों को प्रशिक्षण देना है और इसका इस्तेमाल किसी तीसरे देश को निशाना बनाने के लिए नहीं किया जाएगा। हालांकि, विशेषज्ञों के मुताबिक, केंद्र की वास्तविक भूमिका का आकलन उसके आधिकारिक नाम से नहीं, बल्कि वहां तैनात सैन्यकर्मियों, उपकरणों और भविष्य में उसकी गतिविधियों के आधार पर किया जाएगा। उपलब्ध सैटेलाइट तस्वीरों में वहां हल्के लड़ाकू विमान और सहायक वाहन दिखाई देने की बात सामने आई है। ऐसे में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि आने वाले समय

वियतनाम का प्रभाव समाप्त हो रहा है। उन्हें नेशनल असेंबली का अध्यक्ष बनाया जाना बताता है कि वह अब भी देश की सत्ता व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसी तरह, नए प्रधानमंत्री सलेमक्से कोमासाथि की नियुक्ति को भी सीधे चीन समर्थक गुट की जीत के रूप में देखना जल्दबाजी होगी। उनके राजनयिक करियर में रूस और ऑस्ट्रेलिया में शिक्षा प्राप्त करना तथा पश्चिमी देशों के साथ संबंधों से जुड़े दायित्व निभाना शामिल रहा है।

आर्थिक जरूरतें बदल रही हैं लाओस की रणनीति : विश्लेषण के मुताबिक, लाओस की विदेश नीति में बदलाव को समझने के लिए उसकी आर्थिक परिस्थितियों पर ध्यान देना जरूरी है। देश को निवेश, बुनियादी ढांचे के विकास और आर्थिक स्थिरता के विकास और उसकी सरकार उन देशों के साथ समझौते करने के लिए तैयार हो सकती है, जो इन जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हैं। वियतनाम के लिए चिंता की बात यह है कि लाओस की नीतियों में पारंपरिक राजनीतिक और वैचारिक निकटता के मुकाबले आर्थिक लाभ को अधिक महत्व दिया जा सकता है। इसका अर्थ यह नहीं है कि लाओस चीन के प्रति पूरी तरह राजनीतिक रूप से झुक गया है। बल्कि, आर्थिक दबाव और विकास की जरूरतें उसके राजनीतिक विकल्पों को प्रभावित कर सकती हैं।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव केटी जकारिया सिर्फ पांच दिन में पद से बाहर

वाशिंगटन , एजेंसी। केटी जकारिया अब व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव नहीं रहेंगी। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने इस पद पर सिर्फ पांच दिन काम किया, जो माना जा रहा है कि इस पद पर किसी भी व्यक्ति का सबसे छोटा कार्यकाल है। सीएनएन ने राष्ट्रपति के सलाहकारों के हवाले से बताया कि डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें पद से हटा दिया। वहीं, एनबीसी न्यूज ने एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के हवाले से कहा कि जकारिया को ‘नई भूमिका’ दी जा रही है, जिसकी घोषणा बाद में की जाएगी। यह खबर उस दिन सामने आई जब ट्रंप ने व्हाइट हाउस से रवाना होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उन्होंने जकारिया से पृष्ठ था कि क्या वह इस पद पर बने रहना चाहती हैं। ट्रंप ने कहा, ‘केटी के साथ मीडिया ने बहुत बुरा व्यवहार किया है, बहुत ही अनुचित तरीके से। मैंने अभी उनसे इस बारे में बात की है।’ उन्होंने बताया कि ‘मैंने उनसे कहा, ‘केटी, अगर तुम यह

काम नहीं करना चाहती तो तुम्हें यह करने की जरूरत नहीं है।’ उन्होंने कहा, ‘यह उम्मीद से कहीं ज्यादा मुश्किल है।’ मैंने कहा, ‘ट्रंप की दुनिया में आपका स्वागत है।’ अब मैं उन्हें खुद फैसला करने दूंगा। जकारिया ने 12 अक्टूबर को यह पद संभाला था। वे पहले एक कंजर्वेटिव कमेटेटर और ‘ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप’ में वरिष्ठ संचार सलाहकार रह चुकी हैं। उन्होंने 13 अक्टूबर को अपनी पहली प्रेस ब्रीफिंग की थी। ट्रंप ने 8 अक्टूबर को उन्हें करोशन लीविट की जगह नियुक्त किया था, जिन्होंने अगस्त के अंत में पद छोड़ दिया था।

उनकी पहली ब्रीफिंग 15 मिनट से भी कम समय चली। उसमें उन्होंने बताया था कि ट्रंप ने किम्बर्ली गिलफॉयल से ग्रीस में अमेरिकी राजदूत का पद छोड़ने को कहा है। हालांकि, वह यह नहीं बता सकी कि अमेरिका ने यूक्रेन के साथ खुफिया जानकारी साझा करना बंद किया है या नहीं।

इंडोनेशिया : बाली में पेट्रोल-डीजल खत्म!, पंपों पर लगे ‘क्षमा करें, ईंधन उपलब्ध नहीं है’ के बोर्ड

डेनपासार (इंडोनेशिया) , एजेंसी। इंडोनेशिया के बाली द्वीप पर ईंधन की कमी के बाद पेट्रोल पंपों के बाहर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। पर्यटन पर निर्भर इस द्वीप पर पेट्रोल-डीजल खरीदने आए लोगों को ‘क्षमा करें, ईंधन उपलब्ध नहीं है’ के बोर्ड देखने को मिले। पेट्रोल की कमी की समस्या केवल बाली नहीं बल्कि इंडोनेशिया के 11 प्रांतों में है। पश्चिमी सुमात्रा में इंतजार का समय 2 से 3 घंटे तक पहुंच गया और बैटन में मेराक-तोंरांग हाईवे पर डीजल के लिए लगी कतारें लगभग एक किलोमीटर लंबी थीं। आचे, रियाउ, पश्चिमी कालीमंतन, दक्षिणी सुलावेसी, उत्तरी सुलावेसी और योग्याकार्ता में डीजल या पर्टालाइट पूरी तरह खत्म हो गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह कमी ईंधन की सप्लाई कम होने या वैश्विक ऊर्जा बाजारों में किसी उथल-पुथल के कारण नहीं, बल्कि



स्थानीय स्तर पर वितरण (डिस्ट्रीब्यूशन) की समस्याओं की वजह से हुई है। ऊर्जा और खनिज संसाधन मंत्रालय में तेल और गैस विभाग के महानिदेशक, लाओडे सुलेमान ने कहा, ‘यह पूरी तरह से वितरण से जुड़ी समस्या है। एक ईंधन टैंकर आने में देरी हो गई थी, लेकिन अब वह पहुंच चुका है और 24 घंटे ईंधन की सप्लाई जारी है।’ सुलेमान ने बताया कि बाली आ रहे एक ईंधन टैंकर में अन्तर्लोडिंग (ईंधन उतारने) की तैयारी के दौरान

भारत के प्रदर्शनों पर अमेरिका की नजर: छह सांसदों ने रूबियो को लिखा पत्र

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत में छत्र प्रदर्शनों के दौरान कथित तौर पर जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग और प्रदर्शनकारियों की निगरानी के आरोपों को लेकर अमेरिका के छह डेमोक्रेटिक सांसदों ने विदेश मंत्री मार्को रूबियो से हस्तक्षेप करने की मांग की है। सांसदों ने रूबियो से अगले सप्ताह भारत दौरे के दौरान भारतीय अधिकारियों के सामने इन मुद्दों को उठाने का आग्रह किया है। इन सांसदों में प्रामिला जयपाल, इल्हान उमर, जिम मैकगवर्न, रशीदा तलीब, एलेनोर होम्स नॉर्टन और जौसस गार्सिया शामिल हैं। उन्होंने शुक्रवार को रूबियो को लिखे पत्र में दिल्ली और भारत के अन्य हिस्सों में छत्र प्रदर्शनों के दौरान कथित दमन, गलत तरीके से हिरासत में लेने और अत्यधिक बल प्रयोग को लेकर चिंता जताई।

सीजेपी प्रदर्शन और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ आंदोलन का जिक्र : सांसदों ने अपने पत्र में कॉंग्रेस जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शनों और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर जारी प्रदर्शनों का उल्लेख किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इन प्रदर्शनों के दौरान सुरक्षा बलों की कार्रवाई में जरूरत से ज्यादा बल का इस्तेमाल किया गया। पत्र में सांसदों ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण तरीके से एकत्र होने का अधिकार अमेरिका और भारत, दोनों की लोकतांत्रिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने रूबियो से भारतीय सरकार के सामने इन मुद्दों को उठाने का अनुरोध किया।

अमेरिकी सांसदों ने भारतीय राजनयिक मिशनों पर भी लगाए आरोप : छह सांसदों ने अमेरिका में भारतीय दूतावास और अन्य शहरों में स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावासों पर प्रदर्शनकारियों की निगरानी के लिए फोटोग्राफर तैनात करने का आरोप भी लगाया। उनका दावा है कि अमेरिका में कॉंग्रेस जनता पार्टी के समर्थन में प्रदर्शन करने वालों पर नजर रखी गई और उन्हें डराने की कोशिश की गई। सांसदों ने रूबियो से इन आरोपों की गहन जांच कराने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से अभिव्यक्ति और सभा की स्वतंत्रता का इस्तेमाल करने के कारण भारतीय या अंतरराष्ट्रीय कानूनों के उल्लंघन में हिरासत में लिए गए लोगों की रिहाई का मुद्दा उठाना जाना चाहिए। इसके अलावा, उन्होंने अमेरिकी सरकार से यह आकलन करने का आग्रह किया कि क्या भारत की ओर से अमेरिका में लोगों को डराने या परेशान करने की लगातार घटनाएं हुई हैं। सांसदों ने इस संदर्भ में अमेरिकी आर्मास् एक्सपोर्ट कंट्रोल एक्ट के तहत भारत की हथियार निर्यात से जुड़ी पात्रता की समीक्षा करने की भी मांग की। पत्र में प्रामिला जयपाल ने भारत में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने मसौदा मतदाता सूची से 13 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए जाने को लेकर चिंता जताई और कॉंग्रेस जनता पार्टी के प्रति समर्थन व्यक्त किया।

अमेरिका में एच-1बी कर्मचारियों को झटका: तर्क परमिट की 540 दिन की राहत खत्म

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एच-1बी वीजा धारकों और उनके जीवनसाथियों के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं। अमेरिकी सरकार ने कई श्रेणियों के प्रवासियों के वर्क परमिट की 540 दिन की ऑटोमैटिक एक्सटेंशन सुविधा खत्म कर दी है। समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, इस फैसले से हजारों विदेशी कर्मचारियों, जिनमें भारतीय भी शामिल हैं, को काम छोड़ना पड़ सकता है। ऐसा उन मामलों में हो सकता है, जिनमें वर्क परमिट के नवीनीकरण का आवेदन लंबित है और मौजूदा परमिट की अवधि समाप्त हो जाती है। अमेरिकी नागरिकता एवं आबजन सेवा (यूससीआईएस) ने बुधवार को इस बदलाव को औपचारिक रूप दिया। अंतिम नियम के तहत उस नीति को पकका किया गया है, जिसे पहली बार पिछले साल 30 अक्टूबर को अंतिम नियम के जरिये लागू किया गया था।

क्या है 540 दिन की एक्सटेंशन सुविधा : 540 दिन तक वर्क परमिट की ऑटोमैटिक एक्सटेंशन सुविधा मई 2022 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में शुरू की गई थी। इसका मकसद परमिट के नवीनीकरण से जुड़े लंबित मामलों को कम करना और सरकारी प्रक्रिया में देरी के कारण कर्मचारियों को काम करने का अधिकार खोने से बचाना था। अप्रैल 2024 में इस सुविधा को अस्थायी रूप से फिर शुरू किया गया। उसी साल दिसंबर में इसे अनिश्चित अवधि के लिए यह सुविधा समाप्त कर दी गई

है। इनमें स्टेट्स में बदलाव के लिए आवेदन करने वाले लोग, एच-4 वीजा धारक जीवनसाथी, शरण मांगने वाले आवेदक, शरणार्थी, शरण प्राप्त कर चुके लोग और अस्थायी संरक्षित दर्जा यानी टीपीएस के लाभार्थी शामिल हैं। इस बदलाव का असर एच-1बी वीजा धारकों के उन जीवनसाथियों पर पड़ सकता है, जो एच-4 वीजा पर अमेरिका में रहते हैं और नौकरी करने के लिए रोजगार प्राधिकरण दस्तावेज यानी ईंइडी पर निर्भर हैं। यदि उनके मौजूदा ईंइडी की अवधि नवीनीकरण आवेदन मंजूर होने से पहले समाप्त हो जाती है, तो उन्हें नया वर्क परमिट मिलने तक काम रोकना पड़ सकता है। हालांकि, सभी विदेशी कर्मचारियों पर इसका एक जैसा असर नहीं होगा। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित यानी एसटीईएम विषयों से जुड़े क्षेत्रों में काम करने के लिए रोजगार प्राधिकरण की अवधि बढ़ाने वाले एफ-1 छत्र पहले की तरह 180 दिन की ऑटोमैटिक एक्सटेंशन सुविधा के पात्र बने रहेंगे। इसके लिए उन्हें निर्धारित समय के भीतर आवेदन करना होगा। एल और ई श्रेणी के वीजा धारकों के जीवनसाथियों को भी राहत मिली हुई है।

लंदन , एजेंसी। लंदन में प्रवासी भारतीयों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन में भारतीय उच्चयोग के बाहर लहराया और प्रधानमंत्री के पक्ष में नारे लगाए। ‘भारत माता की जय’, ‘मोदी- मोदी’ और ‘जय श्री राम’ नारे लगा प्रधानमंत्री और भारत सरकार के प्रति अपना समर्थन जताया। मौजूद लोगों ने कहा कि वो विदेशों में भारत की छवि बचाने के लिए इकट्ठा हुए हैं। उनका मानना ​​​​है कि कुछ प्रदर्शन ऐसे हैं, जिनका मकसद देश की साख को नुकसान पहुंचाना है। यह समर्थन ऐसे समय में सामने आया है, जब भारत में कांग्रेस के नेतृत्व वाले ‘इंडिया’ गठबंधन और ‘कॉंग्रेस जनता पार्टी’ (सीजेपी) द्वारा विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। ये समूह मतदाता सूची के ‘विशेष गहन पुनरीक्षण’ (एसआईआर) को लेकर



भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को निशाना बना रहे हैं। विपक्षी समूहों प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगा मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। लंदन में रहने वाले एक भारतीय ने आईएनएस से बातचीत में बताया कि इस सभा का उद्देश्य उन कोशिशों का विरोध करना था, जिन्हें वे भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बदनाम करने की कोशिश मानते हैं। उन्होंने कहा, ‘आज हम लंदन के

भारत भवन में उन लोगों का विरोध करने के लिए इकट्ठा हुए हैं, जो हमारी नजर में भारत को बदनाम कर रहे हैं। भारतीय राष्ट्रवादी होने के नाते, हम उनके कार्यों का जवाब देने और अपने देश के बचाव में आवाज उठाने के लिए एक साथ आए हैं। भारत सरकार का विरोध करने वालों के तरीके पर सवाल उठाते हुए, वहां मौजूद एक व्यक्ति ने कहा कि लोकतंत्र में शिकायतों का समाधान कानूनी और संवैधानिक तरीकों से होना चाहिए, न



देशों’ के मामलों पर भी 100 प्रतिशत शुल्क बढ़ाता है, और रूस से आने वाले सामानों पर शुल्क को 500 प्रतिशत तक बढ़ा देता है। इस आदेश की धारा 4 इन उपायों को तुरंत निलंबित कर देती है। ट्रंप ने लिखा, ‘मैं इसके द्वारा ग्राहम एक्ट की धारा 112 और 113, या इस आदेश में बताए गए किसी भी शुल्क को लागू करने से छूट देता हूं (माफ करता हूं)।’ यह आदेश विदेशी व्यक्तियों पर लगाए

गए कानून के अधिकांश प्रतिबंधों को भी हटा देता है जिसमें इस एक्ट की धारा 102, 102(स), 102(द), 103 से 111 और 117 शामिल हैं। आदेश में कहा गया है कि ये छूटें ‘तब तक लागू रहेंगी, जब तक कि राष्ट्रपति या विदेश मंत्री, ट्रेजरी सचिव और व्यापार प्रतिनिधि के साथ उचित परामर्श करके यह नय न कर लें कि आगे कोई और कदम उठाना जरूरी है।’ इस आदेश में किसी देश का नाम नहीं लिया गया है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने कांग्रेस को कानून के अनुसार जरूरी लिखित प्रमाणन भेज दिया है। इसमें कहा गया है कि ‘इस तरह की छूट देना अमेरिका के राष्ट्रीय हित में है।’ इसके साथ ही, ‘इस प्रमाणन का

आधार बताने वाली एक रिपोर्ट’ भी भेजी गई है। न तो यह प्रमाणन और न ही वह रिपोर्ट सार्वजनिक की गई है। दबाव पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि, विदेश मंत्री, ट्रेजरी सचिव और ऊर्जा सचिव के साथ मिलकर, ‘रूस से कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के आयात और खरीद से जुड़ी स्थितियों पर नजर रखेंगे।’ साथ ही, वे ‘राष्ट्रपति को तुरंत ऐसी किसी भी स्थिति के बारे में सूचित करेंगे, जो उनकी राय में यह संकेत दे सकती है कि राष्ट्रपति को आगे कोई कदम उठाने की जरूरत है जिसमें छूट से जुड़े मामले भी शामिल हैं।’ व्यापार प्रतिनिधि को राष्ट्रपति को यह भी बताना होगा कि ‘कौन से देश उन

शीप 5 देशों में शामिल हैं’ जो रूस पर लगे प्रतिबंधों से बचने में मदद कर रहे हैं। यह आदेश रूस पर लगे मौजूदा अमेरिकी प्रतिबंधों को बरकरार रखता है। इसमें कहा गया है कि ‘किसी भी तरह के भ्रम से बचने के लिए यह स्पष्ट किया जाता है कि इस आदेश से रूस के संबंध में जारी किसी भी कार्यकारी आदेश के तहत लगाए गए प्रतिबंधों या अन्य उपायों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इसके अलावा, इस कानून के तहत राष्ट्रपति के पास मौजूद ज्यादातर शक्तियां (जिनमें छूट देने का अधिकार भी शामिल है) अब विदेश मंत्री, ट्रेजरी सचिव, व्यापार प्रतिनिधि और ऊर्जा सचिव को सौंप दी गई हैं।

अवतार के रूप में क्यों आते हैं भगवान

भगवान के अवतार के तीन कारण होते हैं- पहला अनुग्रह अथवा साधुपरित्राण, दूसरा निग्रह अथवा दुष्कृतकारियों का विनाश और तीसरा धर्मसंस्थापन। जिस प्रकार कोई सम्राट अपने साम्राज्य में सज्जनों को पुरस्कार द्वारा प्रोत्साहित करके और दुर्जनों को तिरस्कार द्वारा निरुत्साहित करके प्रजा में अभ्युदयशील सामंजस्य स्थापित करता है, उसी प्रकार श्रीभगवान भी यथासमय अवतीर्ण होकर यथायोग्य निग्रहानुग्रह प्रदर्शित करते हुए अपनी सृष्टि में धर्म की स्थापना किया करते हैं। समस्त धर्मों का पर्यवसान श्रीभगवत साक्षात्कार में ही है। भगवत साक्षात्कार तभी हो सकता है, जब भगवान में निष्ठा हो। निष्ठा तभी होती है जब अनुराग हो, अनुराग उसी में होता है, जिसकी ओर आकर्षण होगा। अतएव जीवजात को अपनी ओर आकृष्ट करने के लिए ही भगवान अवतार रूप में ऐसी-ऐसी मनमोहिनी क्रीड़ाएं करते हैं कि जिन्हें सुनकर श्रोताओं का मन उनमें बलात् आसक्त हो जाता है।

बालक, युवक और वृद्ध, पंडित और मूर्ख, राजा और प्रजा, स्त्री और पुरुष, विषयी और विरामी, सभी का भगवल्लीला श्रवण से उधर आकर्षण होता है, जो परिणाम में प्रपंचातीत परमात्मा तक पहुंचा देता है। ज्ञान-विज्ञान विनाशन काम को गीता में आचार्य रामानुज के अनुसार बुद्धि से भी बलवत्तर बताया गया है। उसी महापाप, महावैरी, दुष्पूर काम को भक्तजन अनायास जीत सके, इसलिए भगवान अपने अवतार चरित्रों द्वारा मदन-दमन लीलाएं करते हैं। उदाहरण के लिए कोटि-कन्दर्पदर्पण श्रीकृष्ण की योगमाया द्वारा प्रसाधित रासलीला का दर्शन करके उस समय अनेक देवादि भी भगवन्निष्ठ होकर कृतकृत्य हो गये और अब भी उस परम उज्ज्वल लीला का श्रद्धापूर्वक अध्ययन करने वालों के मदनरूपी हृदय रोग का स्वयमेव शमन हो जाता है।

नित्यविभूति से लीलाविभूति में श्रीराम, श्रीकृष्ण आदि रूपों में श्रीभगवान का अवतार आगम ग्रंथों में विभक्त कहलाता है। श्रीमत्स्य, कूर्म, वराह, नृसिंह, वामन, राम (जामदग्न्य), राम (दाशरथि), कृष्ण, बुद्ध और कल्कि, ये दस अवतार प्रसिद्ध हैं। श्रीवराह, सनकादि, नारद, नर-नारायण, कपिल, दत्तात्रेय, यज्ञ, ऋभ, पृथु, मत्स्य, कूर्म, धन्वन्तरि, मोहिनी, नृसिंह, वामन, परशुराम, वेदव्यास, राम, बलराम, कृष्ण, बुद्ध, कल्कि- ये 22 अवतार कहलाते हैं। हंस और ह्यग्रीव की संख्या मिलाने से यह 24 होते हैं। आगम ग्रंथों में अन्यान्य अवतारों के भी नाम उपलब्ध होते हैं।

विभव के दो भेद हैं- स्वरूपावतार और आवेशावतार। जब श्रीभगवान स्वरूप में अर्थात् स्वयं ही अवतीर्ण होते हैं, तब उनका वह रूप स्वरूपावतार कहलाता है, जैसे दाशरथि श्रीराम, किंतु जब किसी जीव विशेष में परमात्मा की शक्ति का आवेश होता है, तब उसे आवेशावतार कहते हैं, जैसे जामदग्न्य राम। जिस रूप में परब्रम्ह परमात्मा अपने समग्र ऐश्वर्य माधुर्य को लिये हुए ही अवतीर्ण होते हैं, उसे पूर्णावतार कहते हैं। किंतु जिस रूप में आवश्यकतानुसार वे अपने प्रभाव का आंशिक प्राकट्य ही दिखलाते हैं, उसको अंशावतार कहते हैं। अंश के तुरीय भाग को कला कहते हैं। अतएव अंशावतार का अवान्तर भेद होने से कलावतार को उसी के अन्तर्भूत समझना चाहिए।

जिस प्रकार कोई सम्राट अपने साम्राज्य में सज्जनों को पुरस्कार द्वारा प्रोत्साहित करके और दुर्जनों को तिरस्कार द्वारा निरुत्साहित करके प्रजा में अभ्युदयशील सामंजस्य स्थापित करता है, उसी प्रकार श्रीभगवान भी यथासमय अवतीर्ण होकर यथायोग्य निग्रहानुग्रह प्रदर्शित करते हुए अपनी सृष्टि में धर्म की स्थापना किया करते हैं। समस्त धर्मों का पर्यवसान श्रीभगवत साक्षात्कार में ही है।



सरल उपाय अपनाएं शर्तियां वास्तुदोष भगाएं

- घर का मुख्य द्वार सदैव पूर्व या उत्तर में ही होना चाहिए किंतु यदि ऐसा न हो पा रहा हो तो घर के मुख्य द्वार पर 'स्वास्तिक' की प्राण प्रतिष्ठा करवाकर लगाने से नकारात्मक ऊर्जा का नाश और सकारात्मक ऊर्जा का विकास होने लगता है। घर की स्थिति अनुकूल होने लगती है।
- घर के मुख्य द्वार पर तुलसी का पौधा रखें। सुबह उसमें जल अर्पित करें तथा शाम को दीपक जलाएं। पूर्व या उत्तर दिशा में तुलसी का पौधा लगाने से घर के सदस्यों में आत्मविश्वास बढ़ता है। घर की छत पर तुलसी का पौधा रखने से घर पर बिजली गिरने का भय नहीं रहता। घर में किसी प्रकार के वास्तु दोष से बचने के लिए घर में पांच तुलसी के पौधे लगाएं तथा उनकी नियमित सेवा करें।
- ध्यान रहे कि घर में खिड़की दरवाजों की संख्या सम हो जैसे (2, 4, 6, 8, 10) तथा दरवाजे खिड़कियां अंदर की तरफ ही खुलें। द्वार खोलते-बंद होते समय किसी भी प्रकार की कर्कश ध्वनि नहीं आनी चाहिए। ये अशुभ सूचक होता है।
- यदि किसी भिक्षुक को भिक्षा देनी हो तो घर से बाहर आकर ही दें अन्यथा अनहोनी होने की संभावना रहती है।
- इस बात का ध्यान रहे कि घर में कभी भी फालतू सामान, टूटे-फूटे फर्नीचर, कूड़ा कबाड़ तथा बिजली का सामान इकट्ठा न होने पाए। अन्यथा घर में बेवजह



- का तनाव बना रहेगा।
- घर के किसी भी कोने में सीलन नहीं होनी चाहिए और न ही घर के किसी कोने में रात को अंधेरा रहना चाहिए। शाम को कम से कम 15 मिनट पूरे घर की लाइट अवश्य जलानी चाहिए। बिजली के स्विच, मोटर, मेन मीटर, टी.वी., कम्प्यूटर आदि आग्नेय कोण में ही होने चाहिए इससे आर्थिक लाभ सुगमता से होता है।
- घर में पुस्तकें रखने का स्थान उत्तर या पूर्व में ही होना चाहिए तथा पुस्तकों को बंद अलमारी में ही रखना चाहिए।
- घर में कभी भी मकड़ी के जाले नहीं लगने चाहिए नहीं तो राहु खराब होता है तथा राहु के बुरे फल भोगने पड़ते हैं।
- संध्या के समय घर में एक दीपक अवश्य जलाएं तथा ईश्वर से अपने द्वारा किए गए पापों के लिए क्षमा याचना करें।

बृहस्पति जी को देवगुरु पद किसने प्रदान किया

पुराणों के अनुसार ब्रह्मा जी के मानस पुत्र अंगिरा ऋषि का विवाह स्मृति से हुआ। जिनसे सिनीवाली, कुहू, राका, अनुमति नाम कि कन्याएं एवं उत्तथ व जीव नामक पुत्र हुए। जीव बचपन से ही शांत एवम जितेन्द्रिय प्रकृति के थे। वे समस्त शास्त्रों तथा नीति के ज्ञाता हुए। अंगिरा नंदन जीव ने प्रभास क्षेत्र में शिवलिंग कि स्थापना कि तथा शिव को प्रसन्न करने के लिए घोर तप किया। महादेव ने उनकी आराधना एवं तपस्या से प्रसन्न हो कर उन्हें साक्षात दर्शन दिए और कहा, हे द्विज श्रेष्ठ ! तुमने बहुत तप किया है। अतः तुम बृहस्पति नाम से प्रसिद्ध हो कर देवताओं के गुरु बनो और उनका धर्म व नीति के अनुसार मार्गदर्शन करो। इस प्रकार महादेव ने बृहस्पति को देवगुरु पद और नवग्रह मंडल में स्थान प्रदान किया। तभी से जीव, बृहस्पति और गुरु के नाम से विख्यात हुए। देवगुरु कि शुभा,तारा और ममता तीन पत्नियां हैं। उनकी तीसरी पत्नी ममता से भरद्वाज एवं कच नामक दो पुत्र हुए। बृहस्पति ग्रह सब ग्रहों में सबसे अधिक वजनी और पृथ्वी से बहुत नजदीक 37 करोड़ मील से भी कम दूरी पर हैं। इस ग्रह पर वायु नहीं है इसके धरातल पर हमेशा लावा फूटता रहता है इसलिए जो हमारे गुरुजन है उनके अन्दर जो ज्ञान रूपी लावा है वो हमारे कल्याण के लिए निरंतर बहता रहता है।

गणेश मंत्र करेगा सभी कामनाओं की पूर्ति

गणपति जी का बीज मंत्र गं है। इनसे युक्त मंत्र- ऊँ गं गणपतये नमः का जाप करने से सभी कामनाओं की पूर्ति होती है।

- बुद्धि का विकास करना चाहते हैं तो श्री गणेश जी के मंत्र ऊँ गं गणपतये नमः का एक माला जाप करें और 11 मोदक या लड्डू का भोग लगाएं।
- बच्चे का मन पढाई में न लग रहा हो तो प्रत्येक बुधवार ऊँ गं गणपतये नमः

- मंत्र के साथ 11 दूर्वा 6 हरी घास 8 गणेश जी को अर्पित करें। व्यवसाय न चल रहा हो या घाटे पड़ रहे हो तो प्रत्येक बुधवार 11 दूर्वा ऊँ गं गणपतये नमः मंत्र के साथ चढ़ावे तथा 21 लड्डू का भोग लगा कर ग्राहकों में बांटे।
 - चूहों से परेशान हैं तो एक कटोरी में जल लेकर ऊँ गं गणपतये नमः मंत्र को पढ़कर कटोरी को रात भर जमीन पर रख दें सुबह जल पौधों में डाल दें। चूहे भाग जाएंगे।
 - अगर आपका व्यवसाय बन्द होने के कगार पर है तो 108 लड्डू 108 दूर्वा के साथ गणेश जी का अभिषेक कराएं।
- इस मंत्र जाप के अतिरिक्त गणपति अथर्वशीर्ष, संकटनाशक गणेश स्त्रोत, गणेशकवच, संतान गणपति स्त्रोत, ऋगहर्ता गणपति स्त्रोत, मयूरेश स्त्रोत, गणेश चालीसा का पाठ करने से गणेश जी की कृपा शीघ्र प्राप्त होती है।

शनि देव लंगड़े एवं शनेश्वर क्यों कहलाते हैं?

सूर्यदेव की पत्नी संज्ञा उनका तेज सहन न कर पाने से अपनी प्रतिमूर्ति छाया को प्रकट कर और उन्हें अपने परिवार की जिम्मेदारी सौंप तपस्या करने चली गई। छाया संज्ञा का प्रतिरूप बन सूर्यदेव के साथ सुखी दांपत्य जीवन व्यतित करने लगी। इस दौरान छाया और सूर्यदेव के पांच पुत्र हुए। जब उसके स्वयं के बच्चे हो गए तो उसका मन उनमें ही रम गया और संज्ञा के बच्चों के प्रति उसका विमाता सा व्यवहार हो गया। एक दिन छाया अपने बच्चों को खाना परोस रही थी। शनिदेव भूख से व्याकुल होकर छाया के पास आए और उनसे भोजन परोसने को कहने लगे पर छाया ने उनकी तरफ ध्यान न दिया। अपने बच्चों को प्रेमपूर्वक भोजन कराती रही। छाया के व्यवहार से शनिदेव को बहुत क्रोध आया और उन्होंने छाया को मारने के लिए अपनी टांग उठायी। तभी छाया ने शनिदेव को श्राप देते हुए कहा कि, तेरी यह टांग अभी टूट जाए। उसी समय शनिदेव लंगड़े हो गए। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शनि देव को कू ग्रह माना जाता है। मान्यता है की जिसकी कुण्डली में शनि नकारात्मक भाव में हो उसे बहुत सी मुसिबतों का सामना करना पड़ता है। वह नौ ग्रहों में सबसे धीमे ग्रह है क्योंकि ज्योतिष की दृष्टि से शनि लंगड़ा है और एक राशि में करीब ढाई वर्ष तक रुकता है। इसी वजह से इन्हें शनेश्वर भी कहा जाता है क्योंकि ये श्नेः श्नेः चलते हैं।



उत्तराखंड बोर्ड परीक्षा 2027: देहरादून में 123 परीक्षा केंद्र प्रस्तावित

देहरादून। उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद की वर्ष 2027 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं को लेकर जनपद देहरादून में तैयारियां शुरू हो गई हैं। आगामी बोर्ड परीक्षाओं के लिए जिले में कुल 123 परीक्षा केंद्र प्रस्तावित किए गए हैं, जहां हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के 24,518 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। इनमें तीन परीक्षा केंद्रों को संवेदनशील श्रेणी में चिह्नित किया गया है, जबकि जिले में कोई भी अति संवेदनशील परीक्षा केंद्र प्रस्तावित नहीं है। परीक्षा केंद्रों के निर्धारण, परीक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा और दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों की सुविधाओं को लेकर जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में केंद्रों की उपयुक्तता, निर्धारित मानकों, संवेदनशील केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाओं और दुर्गम क्षेत्रों में आवागमन की परिस्थितियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

24,518 विद्यार्थी देंगे बोर्ड परीक्षा
प्रस्तावित आंकड़ों के अनुसार, हाईस्कूल परीक्षा के लिए कुल 13,576 परीक्षार्थी



पंजीकृत हैं। इनमें 13,472 संस्थागत और 104 व्यक्तिगत परीक्षार्थी शामिल हैं। वहीं, इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए कुल 10,942 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं, जिनमें 10,684 संस्थागत और 258 व्यक्तिगत परीक्षार्थी शामिल हैं। इस प्रकार, जिले में दोनों कक्षाओं को मिलाकर कुल 24,518 विद्यार्थी वर्ष 2027

की बोर्ड परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षार्थियों की संख्या को देखते हुए परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्थाओं को समय से दुरुस्त करने और परीक्षा संचालन को सुचारु बनाए रखने पर जोर दिया गया।

तीन परीक्षा केंद्र संवेदनशील श्रेणी में
जिला स्तरीय समिति के सम्मक्ष प्रस्तुत

विवरण के अनुसार, देहरादून जनपद में तीन परीक्षा केंद्र संवेदनशील श्रेणी में प्रस्तावित किए गए हैं। इनमें ऋषिकेश स्थित श्री भरत मंदिर इंटर कॉलेज, रायपुर क्षेत्र का डीएवी इंटर कॉलेज करनापुर और चकराता स्थित राजकीय इंटर कॉलेज भटाड़ शामिल हैं।

परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों की अधिक संख्या और केंद्र तक पहुंचने के मार्ग की दूरी जैसे कारणों को संवेदनशीलता निर्धारित करने में प्रमुखता दी गई है। इन केंद्रों पर परीक्षा के दौरान आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को लेकर चर्चा की गई। वहीं, अति संवेदनशील केंद्रों की संख्या शून्य बताई गई है।

छह विकासखंडों में केंद्रों का प्रस्तावित विवरण

जिले के छह विकासखंडों में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं के लिए प्रस्तावित केंद्रों का विवरण भी बैठक में रखा गया। इसके अनुसार—

रायपुर: हाईस्कूल के 36 और इंटरमीडिएट के 35 केंद्र।

डोईवाला: हाईस्कूल के 30 और

इंटरमीडिएट के 30 केंद्र।

सहसपुर: हाईस्कूल के 15 और इंटरमीडिएट के 14 केंद्र।

विकासनगर: हाईस्कूल के 21 और इंटरमीडिएट के 19 केंद्र।

कालसी: हाईस्कूल के 8 और इंटरमीडिएट के 8 केंद्र।

चकराता: हाईस्कूल के 13 और इंटरमीडिएट के 11 केंद्र।

प्रस्तुत विवरण के अनुसार, हाईस्कूल के लिए कुल 123 और इंटरमीडिएट के लिए 117 परीक्षा केंद्र प्रस्तावित हैं। दोनों कक्षाओं के केंद्रों की संख्या अलग-अलग होने के कारण परीक्षा केंद्रों की व्यवस्थाओं का निर्धारण भी उसी के अनुरूप किया जाएगा।

दुर्गम क्षेत्रों के विद्यार्थियों को मिलेगी प्राथमिकता

बैठक में ऐसे विद्यालयों का विवरण भी प्रस्तुत किया गया, जहां परीक्षार्थियों की संख्या निर्धारित 60 विद्यार्थियों के मानक से कम है। प्रस्ताव में ऐसे सात विद्यालयों को शामिल किया गया है, जहां विषम भौगोलिक

परिस्थितियों और आवागमन में होने वाली कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए परीक्षा केंद्र बनाए जाने का प्रस्ताव है। इसका उद्देश्य दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले विद्यार्थियों को परीक्षा देने के लिए लंबी दूरी तय करने से होने वाली परेशानियों को कम करना है। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने संबंधित अधिकारियों को दूरस्थ क्षेत्रों के परीक्षा केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण करने के निर्देश दिए, ताकि वास्तविक परिस्थितियों का आकलन कर विद्यार्थियों की सुविधा के अनुरूप आवश्यक निर्णय लिए जा सकें।

परीक्षा व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन सतर्क
जिला स्तरीय समिति की बैठक में परीक्षा केंद्रों की उपयुक्तता, निर्धारित मानकों के अनुपालन और परीक्षा के सुचारु संचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की गई। प्रशासन का जोर परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के साथ-साथ दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों की समस्याओं को ध्यान में रखकर केंद्र निर्धारण करने पर है।

उत्तरकाशी में सेवानिवृत्त महिला की 10 लाख रुपये की एफडी गायब

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी में डाकघर में जमा सेवानिवृत्त महिला कर्मचारी की 10 लाख रुपये की फिफ्ट डिपॉजिट (एफडी) की धनराशि गायब होने का मामला सामने आया है। स्वास्थ्य विभाग से सेवानिवृत्त महिला ने अपनी जीवनभर की कमाई से भविष्य की जरूरतों के लिए यह रकम जमा कराई थी। आरोप है कि एफडी की परिपक्वता अवधि पूरी होने से करीब डेढ़ माह पहले जब उन्होंने खाते की जानकारी ली, तो उन्हें उसमें धनराशि नहीं होने का पता चला। महिला की शिकायत पर कोतवाली उत्तरकाशी पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ गबन के आरोप में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। 2019 में स्वास्थ्य विभाग से हुई थी सेवानिवृत्त पौड़ीता सुमित्रा देवी के अनुसार, वह वर्ष 2019 में स्वास्थ्य विभाग में बेसिक हेल्थ वर्कर के पद से सेवानिवृत्त हुई थी। सेवानिवृत्ति के बाद भविष्य की आर्थिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उन्होंने पांच दिसंबर 2025 को उत्तरकाशी के कलक्ट्रेट परिसर स्थित डाकघर की शाखा में एक वर्ष की अवधि के

लिए 10 लाख रुपये की एफडी कराई थी। यह रकम उनके लिए जीवनभर की मेहनत और बचत का महत्वपूर्ण हिस्सा थी। महिला को उम्मीद थी कि एफडी की अवधि पूरी होने पर उन्हें उनकी जमा पूंजी वापस मिल जाएगी और जरूरत के समय यह राशि उनके काम आएगी। लेकिन परिपक्वता अवधि पूरी होने से पहले ही खाते में धनराशि नहीं होने की जानकारी मिलने से वह हैरान रह गईं।

पासबुक खोने के बाद सामने आया मामला
जानकारी के अनुसार, सितंबर 2026 में सुमित्रा देवी की पासबुक खो गई थी। इसके बाद वह पासबुक की दूसरी प्रति प्राप्त करने के लिए डाकघर पहुंची। आरोप है कि वहां उन्हें खाते में धनराशि नहीं होने की जानकारी दी गई। साथ ही, पासबुक की दूसरी प्रति देने से भी इनकार कर दिया गया। अपनी जमा पूंजी के संबंध में यह जानकारी मिलने के बाद महिला ने कोतवाली उत्तरकाशी पहुंचकर पुलिस से शिकायत की और मामले में कार्रवाई की मांग की।

संक्षिप्त समाचार साहित्या में बिजली बिलों के खिफाफ ग्रामीणों का बिगुल

(देहरादून)साहित्य और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली के बड़े हुए बिलों को लेकर उपभोक्ताओं का आक्रोश तेज हो गया है। बिजली बिलों में कथित तौर पर असामान्य बढ़ोतरी से परेशान ग्रामीणों ने विभाग से जवाबदेही तय करने और समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग उठाई है। भीम दत्त बर्मा की मौजूदगी में क्षेत्र के उपभोक्ताओं ने बिजली विभाग को 27 अक्टूबर 2026 तक का अल्टीमेटम देते हुए स्पष्ट किया कि निर्धारित समयसीमा में राहत नहीं मिली तो वे लोकतांत्रिक तरीके से अपनी लड़ाई आगे बढ़ाएंगे। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली बिलों में अचानक हुई बढ़ोतरी से आम परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। कई उपभोक्ता बिलों में दर्ज रीडिंग और देय राशि को लेकर सवाल उठा रहे हैं। उनका आरोप है कि बिलों में बढ़ोतरी के कारणों को स्पष्ट करने और शिकायतों का निराकरण करने के लिए विभाग की गंभीरता से पहले करनी चाहिए। उपभोक्ताओं ने मांग की है कि बिजली बिलों में दर्ज बढ़ी हुई रीडिंग की गिनप्श जांच कराई जाए। जिन मामलों में रीडिंग या बिलिंग में गड़बड़ी सामने आए, उनमें वास्तविक खपत के आधार पर बिलों का संशोधन किया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक शिकायतों की जांच कर उचित समाधान नहीं किया जाता, तब तक उपभोक्ताओं की परेशानी दूर होना मुश्किल है। क्षेत्र के लोगों ने बिजली विभाग से बिलिंग प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और उपभोक्ताओं को उनकी शिकायतों पर स्पष्ट जवाब देने की भी मांग की है। उनका कहना है कि बिजली जैसी बुनियादी आवश्यकता के बिलों में अनियमितता को शिकायतों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

जीरो प्लान के तहत समाधान की मांग
बढ़ी हुई रीडिंग से जुड़े मामलों के निस्तारण के लिए ग्रामीणों ने जीरो प्लान के तहत समाधान की मांग उठाई है। उपभोक्ताओं का कहना है कि विभाग को शिकायतों की जांच के लिए विशेष व्यवस्था करनी चाहिए, ताकि गलत या असामान्य बिलों का परीक्षण कर प्रभावित लोगों को राहत दी जा सके। ग्रामीणों ने यह भी मांग की है कि केवल स्थानीय स्तर पर आक्रासन देने के बजाय बिजली विभाग के उच्च अधिकारी स्वयं सहिया पहुंचें और उपभोक्ताओं के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं सुनें। बैठक में बिलिंग संबंधी शिकायतों, रीडिंग की जांच और संशोधन की प्रक्रिया को लेकर स्पष्ट कार्ययोजना सामने रखी जानी चाहिए।

रुद्रप्रयाग: ग्यालू लाल की कांग्रेस से वापसी



रुद्रप्रयाग। जिला पंचायत सदस्य ग्यालू लाल के कांग्रेस में वापसी के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। भाजपा में शामिल होने के बाद अब उन्होंने फिर से कांग्रेस में लौटने का ऐलान किया है। प्रेस वार्ता के दौरान ग्यालू लाल ने अपनी बात रखते हुए कहा कि वह भाजपा में महज आधे घंटे के लिए गए थे, लेकिन वहां उनका मन नहीं लगा। उन्होंने अपने इस फैसले को लेकर अफसोस भी जताया और कहा कि उनके अपनों ने उनसे मुंह मोड़ लिया था, जिससे उन्हें शर्मिंदगी महसूस हुई।

अपने राजनीतिक फैसले को लेकर उन्होंने खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि भाजपा में जाने का उनका फैसला गलत था और वह वहां सहज महसूस नहीं कर पाए। उनके मुताबिक, वह बहक-वे में आकर भाजपा में चले गए थे, लेकिन जल्द ही उन्हें एहसास हो गया कि उनका मन कांग्रेस में ही है।

सीआरई—3 भर्ती में फर्जीवाड़े का खुलासा, फर्जी अभ्यर्थी गिरफ्तार

ऋषिकेश/देहरादून। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), ऋषिकेश में सीआरई—3 भर्ती प्रक्रिया के दौरान कथित फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। बायोमेट्रिक सत्यापन के दौरान पहचान में गड़बड़ी मिलने पर पुलिस ने दूसरे अभ्यर्थी के स्थान पर सत्यापन कराते पहुंचे आरोपी अशोक कुमार मीणा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी मूल अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा में शामिल हुआ था, जबकि मूल अभ्यर्थी विकास कुमार मीणा ने बाद में एम्स में कार्यभार ग्रहण कर लिया था। मामले में विकास कुमार मीणा फरार है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

बायोमेट्रिक सत्यापन में खुला मामला पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 17 अक्टूबर 2026 को एम्स ऋषिकेश में उफए-3 भर्ती प्रक्रिया के तहत अभ्यर्थियों का बायोमेट्रिक सत्यापन किया जा रहा था। इसी दौरान वायसमैन पद के लिए उपस्थित विकास कुमार मीणा की पहचान पर संदेह हुआ। मूल अभिलेखों और पहचान-पत्रों का मिलान



करने पर परीक्षा में शामिल व्यक्ति और एम्स में नियुक्त होकर कार्यभार ग्रहण करने वाले व्यक्ति की तस्वीरों में अंतर पाया गया। हालांकि, दोनों को दस्तावेजों में दर्ज विवरण समान थे।

इसके बाद एम्स ऋषिकेश के सहायक प्रशासनिक अधिकारी विष्म सिंह ने पुलिस चौकी एम्स में लिखित शिकायत दी। शिकायत और जांच रिपोर्ट के आधार पर

कोतवाली ऋषिकेश में मुकदमा अपराध संख्या 543/2026 दर्ज किया गया। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (इटर) की धारा 318(4), 319(2), 336(3), 337, 338, 340(2) और 61(2) के तहत अभियोग पंजीकृत कर जांच शुरू की। पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार मामले की गंभीरता को देखते हुए देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश

गौशाला में घुसा भालू, बकरी को मार डाला



का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसा और वहां बंधी बकरी को मार डाला। गौशाला में एक गाय व अन्य बकरियां भी थीं। कुंवर सिंह ने बताया कि घटना सुबह चार बजे के करीब है। गौशाला में गाय व अन्य बकरियां भी थीं, इससे पहले भालू अन्य मवेशियों को मारता लोगों को इसकी भनक लग गई, शोर मचाने पर भालू वहां से भाग गया। गाड़ी गांव की ग्राम प्रधान मंदोदरी देवी ने बताया कि वन विभाग की टीम ने गांव में आकर निरीक्षण किया। भालू की सन्नितता से ग्रामीणों में भय बना हुआ है। उन्होंने वन विभाग से क्षेत्र में गस्त बढ़ाने और भालू को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने की मांग की है।

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड के पर्वतीय जनपद रुद्रप्रयाग के बसुकेदार क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण के लिए मकानों को तोड़े जाने की कार्रवाई ने विकास और जनहित के बीच संतुलन को लेकर सवाल खड़े किए हैं। सामने आए वीडियो और स्थानीय स्तर पर चर्चा के बीच यह मुद्दा लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। सड़क चौड़ीकरण को जहां बेहतर आवागमन और क्षेत्रीय विकास से जोड़कर देखा जाता है, वहीं इससे प्रभावित होने वाले परिवारों के आशियानों, संपत्ति और भविष्य की सुखशा को लेकर भी संवेदनशीलता जरूरी है। पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कें विकास की जीवनरेखा मानी जाती हैं। बेहतर सड़क संपर्क से ग्रामीणों की स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, बाजार और रोजगार तक पहुंचने में सुविधा मिलती है। आपातकालीन परिस्थितियों में भी सुगम सड़क व्यवस्था महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन विकास परियोजनाओं के क्रिान्वयन के दौरान स्थानीय नागरिकों के हितों की रक्षा करना भी उतना ही आवश्यक है।

सड़क चौड़ीकरण जरूरी, लेकिन लोगों



के हितों की अनदेखी नहीं
बसुकेदार में मकानों पर हो रही कार्रवाई ने यह सवाल सामने रखा है कि विकास परियोजनाओं को लागू करते समय प्रभावित परिवारों की परिस्थितियों और अधिकारों का कितना ध्यान रखा जा रहा है। जिन लोगों के मकान प्रभावित होते हैं, उनके लिए यह केवल

भवन का नुकसान नहीं, बल्कि वर्षों की मेहनत, जमा-पूंजी और परिवार की सुखशा से जुड़ा मामला होता है। ऐसे में संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है कि परियोजना की वास्तविक आवश्यकता, प्रस्तावित सड़क की चौड़ाई, भूमि सीमांकन और कार्रवाई के आधार की स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराई जाए। साथ ही, प्रभावित लोगों को नियमानुसार सूचना, सुनवाई और लागू नियमों के अनुसार मुआवजे या अन्य राहत की

स्थिति भी स्पष्ट की जानी चाहिए। मुआवजे और पुनर्वसन पर स्पष्टता की जरूरत सड़क चौड़ीकरण के दौरान यदि निजी संपत्तियां प्रभावित हो रही हैं, तो यह जानना महत्वपूर्ण है कि भूमि अधिग्रहण अथवा अन्य लागू कानूनी प्रक्रिया के तहत क्या कदम उठाए गए हैं।

अपने पति के रूप में दर्ज कराया था। शिकायत में बरेली स्थित आवास का पता इस्तेमाल किए जाने का आरोप भी लगाया गया था।

मंत्री की शिकायत के अनुसार, महिला पर उनके बरेली स्थित आवास से सात लाख रुपये और स्वर्ण जड़ित रुद्राक्ष की माला ले जाने का आरोप भी था। इसके अतिरिक्त, उन्होंने आरोप लगाया था कि संबंधित महिला हुंडई जेटा कार का इस्तेमाल करती थी, जिस पर कथित तौर पर उत्तराखंड सरकार का बोर्ड, हूटर और नीली-लाल बत्ती लगाई गई थी।

इस मामले में डॉ. आरसी पांडे का नाम भी शिकायत में सामने आया था। रेखा आर्य ने संबंधित लोगों पर उनके और उनके पति के नाम तथा पते के कथित दुरुपयोग सहित अन्य गंभीर आरोप लगाए थे। उस समय बरेली पुलिस ने शिकायत के आधार पर कार्रवाई की पुष्टि की थी।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेंद्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

पैरा एशियन गेम्स का शानदार आगाज, सिमरन और प्रमोद ने की अगुवाई

आइची नागोया। एशियन गेम्स 2026 के शानदार समापन के बाद अब बारी है पैरा एशियन गेम्स की। रविवार को पांचवें एशियाई खेलों की शुरुआत हो गई। उद्घाटन समारोह में भारत की अगुवाई पैरा अथलीट प्रमोद भगत और सिमरन सिंह ने की। दोनों भारतीय दल के ध्वजवाहक थे।

281 सदस्यीय दल को दी है मंजूरी

जापान के आइची-नागोया में आयोजित होने वाले इन खेलों के लिए खेल मंत्रालय ने 168 एथलीटों सहित कुल 281 सदस्यों के भारतीय दल को मंजूरी दी है, जिसमें 98 टीम अधिकारी व स्पोर्टिंग स्टाफ और 15 कॉन्ट्रिजेंट स्टाफ शामिल हैं। पिछले साल चीन के हांगझू में हुए संस्करण की तुलना में इस बार दल का आकार काफी छोटा है, जहां भारत ने 303 एथलीट उतारे थे। इस बार पैरा एशियन गेम्स 18 से 24 अक्टूबर तक चलेगा। भारतीय दल में गिरावट की मुख्य वजह ब्लाईंड चेस, पैरा-रोइंग और पैरा-कैनोइंग जैसी स्पर्धाओं का इस बार शामिल न होना है, जिनमें भारत ने पहले हिस्सा



लिया था। इसके अलावा, आयोजन समिति की ओर से कई खेलों में कड़े कोटा नियम भी लागू किए गए हैं। उदाहरण के लिए, पैरा एथलेटिक्स में पिछली बार भारत ने 123 एथलीटों का सबसे बड़ा दल भेजा था, जिसे कोटा प्रतिबंधों के कारण इस बार घटाकर 62 कर दिया गया है। कुल 168 एथलीटों

में 112 पुरुष और 56 महिलाएं हैं जो 11 अलग-अलग स्पर्धाओं में अपनी चुनौती पेश करेंगे।

इन खिलाड़ियों पर होगी नजर

दो बार के पैरालंपिक चैंपियन सुमित अतिल पुरुषों की भाला फेंक एफ64 स्पर्धा में अपना खिताब बचाने

उत्तरेंगे। उनके अलावा पैरा-स्पोर्ट्स के अन्य दिग्गज जैसे धरमवीर नैन, प्रवीण कुमार और नवदीप सिंह भी पैरा एथलेटिक्स स्क्वाड का हिस्सा हैं। प्रीति पाल, दीप्ती जीवनजी, निशद कुमार, सचिन सरजेराव खिलारी और होकातो होताइ सेमा जैसे पैरालंपिक पदक विजेता भी प्रबल दावेदार के रूप में नजर

आएंगे। शूटिंग दल की अगुवाई दो बार की पैरालंपिक चैंपियन और एशियाई पैरा गेम्स की डिफेंडिंग चैंपियन अर्वािन लेखरा करेंगी, जो महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में उतरेगी। पैरा तीरंदाजी में 19 वर्षीय शीतल देवी महिलाओं का कपाउंड खिताब बचाने के लिए वापसी कर रही हैं। उन्होंने 2023 के संस्करण में मिक्स्ट टीम सहित दो पदक और डबल्स इवेंट में रजत पदक जीता था। पैरालंपिक चैंपियन नितेश कुमार और प्रमोद भगत एक मजबूत पैरा-बैडमिंटन ग्रुप की कमान संभालेंगे, जिसमें सुहास यतिराज, तुलसीमथिया मुरगेशन और नित्या खे सुमाथी सिबन जैसे धुरंधर भी शामिल हैं।

एशियाई पैरा गेम्स में भारत का सफर लगातार शानदार रहा है। 2010 में 14 पदकों से शुरू हुआ यह सफर इंचियोन में 33, जकार्ता में 72 और तीन साल पहले 100 का आंकड़ा पार करे 111 तक पहुंचा, जो भारतीय खेल इतिहास का एक स्वर्णिम पल था। इस बार प्रतियोगिताएं 19 अलग-अलग वेन्यू पर खेली जाएंगी, जिसमें नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक्स स्टेडियम मुख्य एरिना होगा।

संक्षिप्त

समाचार

इंटरमियामी की जीत में चमके लियोनल मेसी, दागे दो गोल

न्यूयॉर्क। दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी के दो गोल और एक असिस्ट की मदद से इंटर मियामी ने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) मुकाबले में अटलांटा यूनाइटेड को 3-1 से हरा दिया। मेसी ने दोनों गोल करने से पहले टीम के शुरुआती गोल का मौका भी बनाया। पहले हाफ के आखिरी क्षणों में जर्मन बेटेरामे ने मेसी और लुईस सुआरेज की मदद से गोल कर इंटर मियामी का खाता खोला। एमएलएस में अपने शुरुआती 26 मुकाबलों में बेटेरामे का यह नौवां गोल था। मेसी ने इसके बाद 56वें और 60वें मिनट में लगातार दो गोल दागकर इंटर मियामी की बढ़त 3-0 कर दी। दोनों गोल में बेटेरामे ने मदद की अहम भूमिका रही, जबकि मेसी के दूसरे गोल में सुआरेज का भी योगदान रहा। मेसी के नाम अब गोल और मदद मिलाकर



कुल 40 गोल योगदान दर्ज हो चुके हैं। वह लॉस एंजिल्स एफसी के कार्लोस वेला के 2019 में बनाए गए 49 गोल योगदान के रिकॉर्ड से नौ पीछे हैं। इंटर मियामी के इस स्टार खिलाड़ी के पास रिकॉर्ड तोड़ने के लिए चार मुकाबले शेष हैं। इंटर मियामी के गोलकीपर डेने सेंट क्लेयर ने दो बचाव किए, लेकिन 89वें मिनट में फाफा पिर्कोल्ट ने पेनाल्टी पर गोल कर टीम को क्लीन शीट हासिल करने से रोक दिया।

हार्दिक का विकल्प टूटना मुश्किल

पूर्व भारतीय कप्तान ने किया पांड्या को समर्थन



नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व दिग्गज सुनील गावस्कर का मानना है कि हार्दिक पांड्या की जगह लेना आसान नहीं है ऐसे में भारत को उनके विकल्प तलाशने की कोशिश करने की जगह टीम को ऐसे खिलाड़ियों पर ध्यान देना चाहिए जो अलग-अलग भूमिकाएं निभा सके। उन्होंने गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत करने की जरूरत पर भी जोर दिया। गावस्कर ने कहा कि भारत को चार विशेषज्ञ गेंदबाजों के साथ मैच में उतरना चाहिए, जबकि ऐसे ऑलराउंडर खिलाड़ियों को पांचवें और छठे गेंदबाज की भूमिका निभानी चाहिए जो बल्लेबाजी में भी योगदान दे सके। बल्लेबाजी क्रम को लंबा करने के लिए गेंदबाजी की मजबूती से समझौता नहीं करना चाहिए। वेस्टइंडीज के खिलाफ शनिवार रात बंगलूरु में पांचवां और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला बारिश के कारण रद्द होने के बाद गावस्कर ने कहा, हम कभी-कभी हार्दिक पांड्या का विकल्प तलाशने में कुछ ज्यादा ही जुट जाते हैं। उनकी जगह कोई नहीं ले सकता। अगर आपको उनकी क्षमता का खिलाड़ी नहीं मिलता है, तो ऐसे खिलाड़ी के साथ आगे बढ़िए, जो टीम के लिए थोड़ी अलग भूमिका निभा सके।

स्पिन गेंदबाजों का समर्थन करने कहा

गावस्कर ने भारतीय टीम के स्पिन गेंदबाजी विकल्पों की पहचान करने और उन्हें लगातार समर्थन देने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भले ही इन गेंदबाजों को नियमित रूप से प्लेइंग-11 में जगह न मिले, लेकिन टीम के व्यापक ढांचे में उनकी भूमिका अहम है। उन्होंने कहा, वे नियमित रूप से प्लेइंग-11 का हिस्सा हों या नहीं, लेकिन टीम के बड़े समूह में शामिल हैं।



नमन धीर का दिया उदाहरण

गावस्कर ने नमन धीर का उदाहरण देते हुए कहा कि वह ऐसे खिलाड़ी हैं, जो बल्ले और गेंद दोनों से योगदान देकर अलग भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा, नमन धीर यही काम कर रहे हैं। वह अपने ओवर अच्छी तरह कर रहे हैं और इस मैच में उनकी बल्लेबाजी भी देखिए। इस सीरीज से यह सीख मिलती है कि गेंदबाजी में भारत को कम से कम चार नियमित गेंदबाजों के साथ उतरना चाहिए। पांचवां और छठा विकल्प ऑलराउंडर हो सकते हैं, जो बल्लेबाजी भी कर सकें। नमन धीर बल्लेबाज हैं, लेकिन वह दो-तीन ओवर गेंदबाजी भी कर सकते हैं। अक्षर पटेल ऐसे खिलाड़ी हैं, जो अपने चार ओवर पूरे कर सकते हैं।

गेंदबाजी कमजोर हो सकती है

गावस्कर ने आगाह किया कि बल्लेबाजी क्रम को आठवें नंबर तक बढ़ाने की कोशिश में भारतीय टीम की गेंदबाजी कमजोर हो सकती है। उन्होंने कहा, जब आप आठवें नंबर तक बल्लेबाजी लेकर उतरते हैं, तो अपनी गेंदबाजी को कमजोर कर देते हैं और इसी वजह से आपको हार का सामना करना पड़ता है। हमें गेंदबाजी देखने का मौका ही नहीं मिला। यह देखना दिलचस्प होता कि नौ ओवर के इस मुकाबले में भारतीय गेंदबाज किस तरह प्रदर्शन करते।



रणजी ट्रॉफी: पहली पारी में सस्ते में आउट हुए शुभमन गिल

नई दिल्ली। भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल के लिए रणजी ट्रॉफी में छत्तीसगढ़ के खिलाफ पंजाब की ओर से मैच की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही। न्यू चंडीगढ़ में रविवार को खेले जा रहे इस एलीट ग्रुप बी मुकाबले के पहले दिन गिल सिर्फ एक रन बनाकर आउट हो गए। भारत और न्यूजीलैंड के बीच आगामी दो मैचों की महत्वपूर्ण टेस्ट सीरीज से पहले गिल ने धरलू लाल गेंद के क्रिकेट में खेलने का फैसला किया था और वह इस मुकाबले के लिए अंतिम समय में पंजाब की टीम से जुड़े थे। छत्तीसगढ़ के खिलाफ मैच के 26वें ओवर की पहली गेंद पर विहान मल्होत्रा के आउट होने के बाद दाएं हाथ के बल्लेबाज शुभमन गिल नंबर चार पर बल्लेबाजी करने आए। उन्होंने अपनी पारी की दूसरी गेंद पर एक रन लेकर खाता खोला, लेकिन 27वें ओवर की तीसरी गेंद पर स्पिनर अजय मंडल ने उनकी रक्षात्मक तकनीक को भेदते हुए उन्हें बोल्ट कर दिया। आउट होने से पहले गिल ने पांच गेंदों का सामना किया। इस मैच में गिल बल्ला नहीं चला, लेकिन इस साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गिल का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा है। इस वर्ष उन्होंने तीन टेस्ट मैचों की चार पारियों में 50.00 की औसत से 200 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है।

वैभव को लेकर बोले अरयर-इंतजार करना ही पड़ता है

बंगलूरु, एजेंसी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेली गई पांच टी20 मैचों की सीरीज में युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने वैभव को मौका नहीं मिलने की वजह बताई है। बंगलूरु में शनिवार को बारिश की वजह से पांचवां टी20 धुलने के बाद वैभव को सीरीज में मौका नहीं मिलने पर अपनी राय रखते हुए अय्यर ने कहा कि संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा और ईशान किशन के टॉप-3 में लगातार अच्छे प्रदर्शन करने की वजह से वैभव को मौका नहीं मिला।

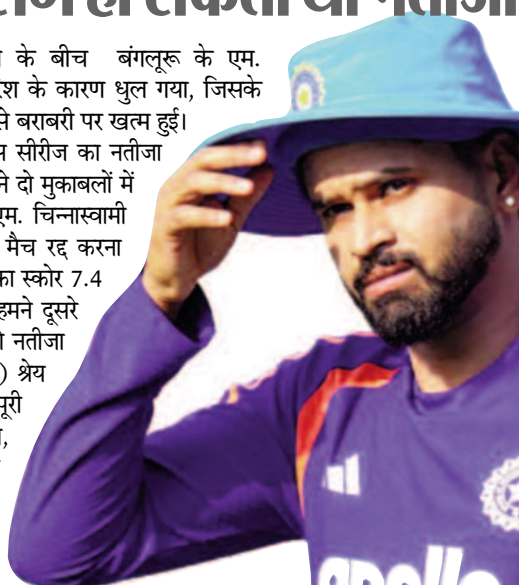
अय्यर ने कहा, मुझे पता है कि वैभव के दिमाग में क्या चल रहा होगा, खासकर जबरदस्त आईपीएल सीजन के बाद। लेकिन आपको कभी-कभी इंतजार करना पड़ता है। हमारे पास दो शानदार ओपनर हैं, जो लगातार रन बना रहे हैं। मैं बस उनसे कहता रहता हूँ कि आपको मौका मिलेगा। सैमसन और अभिषेक ने हमारे लिए विश्व कप जीता है। वे लगातार रन बना रहे हैं। अगर आप अपने प्रोसेस में निरंतरता बनाए रखते हैं और आपको माईसेट थोड़ा हल्का है, तो अभी मौका मिलने के बारे में ज्यादा न सोचें।

शानदार रहा वैभव का प्रदर्शन...

सूर्यवंशी ने चार जुलाई को मेनवेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ भारत के लिए डेब्यू किया। उन्होंने उस सीरीज में तीन मैचों में साधारण प्रदर्शन किया। जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में वैभव का प्रदर्शन अच्छा रहा था। तीन मैचों में दो अर्धशतकों के साथ 151 रन बनाकर वह प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे। इसके बाद अफगानिस्तान सीरीज में उन्हें मौका नहीं मिला था। एशियन गेम्स में श्रीलंका के खिलाफ 21 गेंदों पर 38 और फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ नौ गेंदों पर 15 रन उनके बल्ले से निकले। इसके बाद वैभव को अपने अगले मौके का इंतजार है। वैभव को भारतीय टीम के साथ पांच टी20 मैचों की सीरीज के लिए न्यूजीलैंड दौरे पर जाना है। यह सीरीज 22 अक्टूबर से शुरू हो रही है। देखा होगा कि वैभव को न्यूजीलैंड में मौका मिलता है या नहीं।

श्रेयस को सीरीज बराबरी पर छूटने का मलाल, बोले- अलग हो सकता था नतीजा

बंगलूरु, एजेंसी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच बंगलूरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में निर्णायक मैच बारिश के कारण धुल गया, जिसके साथ पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म हुई। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर मानते हैं कि इस सीरीज का नतीजा कुछ और हो सकता था, अगर उनके गेंदबाजों ने दो मुकाबलों में बेहतर गेंदबाजी की होती। बारिश के कारण एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाला पांचवां और आखिरी मैच रद्द करना पड़ा। नौ-नौ ओवरों के इस मुकाबले में भारत का स्कोर 7.4 ओवर में 118/5 था। अय्यर ने कहा, अगर हमने दूसरे और चौथे मैच में बेहतर गेंदबाजी की होती, तो नतीजा कुछ और हो सकता था। उन्हें (वेस्टइंडीज को) श्रेय देना चाहिए, उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की। पूरी सीरीज में होप ने जिस तरह से बल्लेबाजी की, वह शानदार थी। हार के बाद भी वापसी करने की उनकी क्षमता काबिले तारीफ है। हम जिस तरह से खेलते हैं, उसमें एक आक्रामक मानसिकता होती है।



युवा खिलाड़ियों को धैर्य और प्रक्रिया पर टिके रहने की जरूरत

15 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को भारत की ओपनिंग स्ट्रॉट पहले से भरे होने के कारण अपने मौके का इंतजार करना पड़ रहा है। इस पूरी सीरीज में वैभव को एक अदद मौका नहीं मिल सका। अय्यर ने कहा कि इस युवा खिलाड़ी को धैर्य रखने और अपनी प्रक्रिया पर टिके रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा, मैं उनसे बस यही कहता रहता हूँ कि आपको मौका जरूर मिलेगा। अगर अपनी प्रक्रिया को लेकर लगातार अच्छे काम करते हो, तो कभी-कभी इंतजार करना पड़ता है। हमारे पास दो बेहतरीन ओपनर हैं, वैभव के साथ हमारी यही बातचीत होती रही है। भारत अब गुरुवार से शुरू होने वाली टी20 सीरीज के लिए सीधे न्यूजीलैंड जा रहा है। इस व्यस्त शेड्यूल को लेकर अय्यर ने कहा, यह किसी आम दिन जैसा ही है। भारत में तो हम लगातार यात्रा करते ही रहते हैं। हम इसे काफी अच्छे से संभाल रहे हैं। मैच बारिश की भेंट चढ़ जाने से वेस्टइंडीज के पास 2002 के बाद भारत में अपनी पहली सीरीज जीतने का मौका हाथ से निकल गया। इससे पहले वे वनडे सीरीज 1-2 से हार गए थे। चार मैचों में दो शतक लगाने वाले वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। उन्होंने कहा कि उनकी टीम सीरीज जीतने के बहुत करीब पहुंच गई थी।